



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 2] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 8, 1977 (पौष 18, 1898)

No. 2] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 8, 1977 (PAUSA 18, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

## PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

## संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-1100011, दिनांक 17 दिसम्बर, 1976

सं० 11013/II/74-प्रगा०—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 18 अक्टूबर, 1976 के अनुक्रम में, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग प्रतिवेद्याग संघ लोक सेवा आयोग में के० से० संवर्धन के निम्ननिवित स्थायी अनुभाग अधिकारियों/सहायकों को 1 दिसम्बर, 1976 से तीन महीने की अतिरिक्त प्रवधि के लिए या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते के लिए नियुक्त करते हैं :—

| क्र० | नाम                    | के० स० से० संवर्ग<br>में | धारित पद |
|------|------------------------|--------------------------|----------|
| 1    | 2                      | 3                        |          |
| 1.   | श्री वी० एस० रियात .   | अनुभाग अधिकारी           |          |
| 2.   | श्री वी० एस० जगेपोता . | —वही—                    |          |

1—406 जी०आई०/76

| 1  | 2                     | 3              |
|----|-----------------------|----------------|
| 3. | श्री जे० पी० गोयल .   | अनुभाग अधिकारी |
| 4. | श्री आर० एन० खुराना . | —वही—          |
| 5. | श्री एस० श्रीनिवासन . | —वही—          |
| 6. | श्री एम० के० अरोड़ा . | सहायक          |
| 7. | श्री जी० वी० माथुर .  | सहायक          |

2. पूर्वोक्त अधिकारियों की अनुभाग (विशेष) के रूप में नियुक्त प्रतिनियुक्त पर होगी और उनका वेतन समय-समय पर यथासंशोधित वित्त मंत्रालय के का० ज्ञा० सं० एफ० 10(24)-ई० -III/60 दिनांक 4 मई, 1961 के अनुसार विनियमित किया जाएगा ।

प्रभात नाथ मुकर्जी  
अवर सचिव  
कृत सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा०-III (1) — संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास शर्मा, को, राष्ट्रपति 8 नवम्बर, 1976 से 23 दिसम्बर, 1976 तक 46 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी प्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा०-III (2) — संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति 1 दिसम्बर, 1976 से 15 जनवरी, 1977 तक 46 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी प्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 दिसम्बर 1976

सं० पी०/132-प्रशा०-I — संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी के प्रेड से 15 नवम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से प्रत्यावर्तित होने के परिणामस्वरूप के० स० स्ट० सेवा के प्रेड 'क' के स्थायी अधिकारी श्री एम० पी० जैन ने 15 नवम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से उसी संवर्ग में निजी सचिव (के० स० स्ट० सेवा का प्रेड क) के पद का कार्यभार पूँः संभाल लिया।

दिनांक 10 दिसम्बर 1976

सं० ए० 32013/3/76-प्रशा०-I — इस कार्यालय की अधिकृत सूचना सं० ए० 32013/2/76-प्रशा०- दिनांक 3 सितम्बर, 1976 के अनुक्रम में भारतीय अर्थ सेवा के अधिकारी श्री ज्ञान प्रकाश को, राष्ट्रपति द्वारा 9 नवम्बर, 1976 से 8 फरवरी, 1977 तक 3 मास की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/3/76-प्रशा०- — इस कार्यालय की समसंलग्न अधिकृत सूचना दिनांक 3 सितम्बर, 1976 के अनुक्रम में भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के अधिकारी श्री एस० धान्वी को, राष्ट्रपति द्वारा 9 नवम्बर, 1976 से 8 फरवरी, 1977 तक 3 मास की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुख्यर्जी,  
अवर सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

प्रबत्तन निदेशालय

मन्त्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली-1, दिनांक 29 नवम्बर 1976

फा० सं० ए०- /39/76 — श्री मणि के० सोहल, मूल्यनिरूपक, न्यू कस्टम हाउस, बम्बई को दिनांक 10 नवम्बर, 1976 से अगले आदेशों तक के लिए राजस्व आसूचना तथा अन्वेषण महानिदेशक के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० जैन,  
निदेशक

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

फा० सं० ए०-1141/76 — निम्नलिखित सहायकों को उनके अपने-अपने पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से अगले आदेशों तक के लिए प्रबत्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया है।

उनके कार्य के स्थान और कार्यभार ग्रहण करने की तारीखें उनके नाम के सामने दी गई हैं।

| क्र०<br>सं०             | नाम | कार्य का<br>स्थान | कार्य भार ग्रहण<br>करने की<br>तारीख |
|-------------------------|-----|-------------------|-------------------------------------|
| 1. श्री के० एस० अच्छुता |     | बम्बई             | 12-11-1976                          |
| 2. श्री गया प्रसाद      |     | कलकत्ता           | 26-11-1976                          |

जे० एन० धरोड़ा,  
उप-निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

सं० पी० एफ०/एस०-5/65-प्रशा०-5 :— निवत्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री एस० पी० सेठ, उप-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय, नई दिल्ली ने दिनांक 30 नवम्बर, 1976 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 17 दिसम्बर 1976

सं० ए० 19036/9/75-प्रशासन-5 — श्री एल० एन० मिश्रा, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, भुवनेश्वर शाखा ने दिनांक 6 दिसम्बर, 1976 के अपराह्न में पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, भुवनेश्वर शाखा के पद का कार्यभार त्याग दिया।

उनकी सेवाएं उड़ीसा राज्य सरकार को वापस सौंप दी गईं।

सं० ए०-19036/18/76-प्रशा०—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद् द्वारा, गुजरात राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एम० बी० पाण्ड्या, को दिनांक 1 दिसम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्त पर स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

पी० एस० निग,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०),  
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो।

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

सं० श्रो०-II 5/76-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री बी० के० क्षा, गुजरात संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप-महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री क्षा ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के उप-महानिरीक्षक, पटना के पद का कार्यभार दिनांक 20 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से संभाला।

ए० के० बन्धोपाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 15 नवम्बर 1976

सं० ई०-32015(2)/1/76-कार्मिक—राष्ट्रपति, पुनर्नियुक्ति पर, लेफिट० कर्नल एम० सी० सिंह को दिनांक 18 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, के० श्री० सु० ब० पटना में, ग्रुप कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 दिसम्बर 1976

सं० ई०-16013(1)/4/76-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री हंस राजू स्वान, श्री० पी० एस० (हरियाणा-1957) को 9 दिसम्बर, 1976 के अपराह्न से श्री ई० मो० महाजन, श्री० पी० एस० (मणिपुर और विपुरा 1953) के स्थान पर केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल दक्षिण क्षेत्र मंत्रालय के उप महानिरीक्षक पद पर नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा। श्री ई० मो० महाजन ने उसी तारीख के अपराह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ली० सिं० बिष्ट,  
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

सं० 10/19/75-म० प० (प्रशा०-एक)—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 30 अगस्त, 1976 की समसंबंधक अधिसूचना के अनुक्रम में, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में श्री ए० के० विश्वास को अनुसंधान अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति को तारीख 31 अगस्त, 1976 के बाद 5 नवम्बर, 1976 तक सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री विश्वास का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

सं०पी०/प्रार०(46)-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 30 अगस्त, 1976 की समसंबंधक अधिसूचना के अनुक्रम में, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में श्री बी० पी० रस्तोगी को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को तारीख 31 अगस्त, 1976 के बाद तारीख 5 नवम्बर, 1976 तक सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री रस्तोगी का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

बद्री नाथ,  
भारत के उप महापंजीकार और  
पब्लिक उप सचिव

श्रम मंत्रालय  
(श्रम व्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 8 जनवरी 1977

सं० 23/3/76-सी०पी० आई०-नवम्बर, 1976 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार 1960=100) अक्टूबर, 1976 के स्तर से दो अंक बढ़ कर 306 (तीन सौ छः) रहा। नवम्बर, 1976 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 372 (तीन सौ बहत्तर) आता है।

सुकुमार रे  
उप निवेशक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक—महालेखापरीक्षक का कार्यालय  
(वाणिज्य लेखापरीक्षा विभग)

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

सं० 1135-सी० ए०-1/47-69—सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बंगलौर के कार्यालय में कार्यरत श्री के० एन० रामाकृष्ण, स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी 50 वर्ष की आयु प्राप्त करते पर मूल नियावमली 56(ट) के अधीन दिनांक 2 दिसम्बर, 1976 (अपराह्न) से स्वेच्छापूर्वक सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए।

दिनांक 21 दिसम्बर 1976

सं० 1146-सी० ए-1/367-69—सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं० पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बंगलौर के कार्यालय में कार्यरत श्री एच० ए० गोपालाराव, स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी 50 वर्ष की श्रावु प्राप्त करने पर मू० नि० 56(ट) के अधीन दिनांक 20 सितम्बर, 1976 (अपराह्न) से स्वैच्छापूर्वक सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए।

एम० डी० भट्टाचार्य,  
उपनिदेशक (वाणिज्यिक)।

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

सं० प्रशासन-1/5-5/पदोन्नति/76-77/कार्य- आदेश सं० 1003/2472 दिनांक 3-12-76—श्रीमान् महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के निम्नांकित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को 30/11/76 (अपराह्न) से समय वेतनमान रु० 840-1200 में लेखा अधिकारियों के रूप में अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर कार्य करने हेतु नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं० नाम

1. श्री ओ० पी० गर्ग
2. श्री ए० आर० गुरुवारा
3. श्री भगवती चरण दास
4. श्री एम० एल० शर्मा
5. श्री बी० एन० नाग

एम० एल० सोबती  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक

विषय : स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति

बैंगलूरु-560001, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

सं० स्थापना 1/ए०-4/76-77/698—श्री एल० अशाहम, स्थायी लेखाअधिकारी की स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के लिए तारीख 23-9-1976 के उनके प्रार्थनापत्र के सन्दर्भ में, मूलभूत नियम 56 (के) के आधार पर तारीख 23-12-1976 पूर्वाह्न से निवृत्त होने के लिए अनुमति दी गई है।

दिनांक 16 दिसम्बर 1976

सं० स्थापना 1/अ०/76-77/697 महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक, बैंगलूरु का स्थानापन्न लेखाअधिकारी श्री जी० शनमुखा को, इसी कार्यालय में तारीख 1-12-1976

से स्थायी अमता के लेखाअधिकारी पद में नियुक्त किया गया है।

एस० सी० बेनर्जी,  
महालेखाकार

कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम)

इलाहाबाद, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

कार्यालय आदेश सं० प्रशासन-1/11-144 (XII)/327—महालेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम), इलाहाबाद ने निम्नांकित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखाअधिकारी नियुक्त किया है:—

- (1) श्री हीरा लाल श्रीवास्तव—1-12-76
- (2) श्री श्रीनिवास अग्रवाल—4-12-76
- (3) श्री शिवेन्द्र कुमार गुप्ता—6-12-76

य० रामचन्द्र राव,  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

सं० प्रशासन ए०/५५३—महालेखाकार, मध्य प्रदेश प्रथम, द्वारा श्री आर० सी० रायजादा (02/0212) स्थायी अनुभाग अधिकारी को लेखा अधिकारी के पद पर रु० 840-40-1000-द० अ०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 22-9-76 पूर्वाह्न, अर्थात् वह दिनांक जिससे उनसे कनिष्ठ श्री के० एम० एल० अग्रवाल, अनुभाग अधिकारी, इस कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर पदोन्नत हुए, से प्रोफार्मा पदोन्नति स्वीकृत की गई है।

(ह०) अपठनीय  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय आनंद प्रदेश (प्रथम)

हैदराबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

सं० ई० बी० 1/8-312/76-77/365—श्री एच० रामचन्द्र राव, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आनंद प्रदेश 1 में स्वैच्छा से सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 1-12-1976 पूर्वाह्न से।

एस० आर० मुखार्जी,  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

## रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा-नियंत्रक,

नई दिल्ली-110022, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

सं० 68018 (2)/71-प्रशा०-II—राष्ट्रपति निम्नलिखित स्थायी लेखा अधिकारियों/रक्षा लेखा सहायक नियंत्रकों (अस्थायी) को भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित संवर्ग के कनिष्ठ समयमान में, स्थानापन्थ के रूप में कार्य करने के लिए, उनके नाम के सामने लिखी तारीख से, आगामी आदेश पर्यन्त, अनुक्रम नियम के अधीन, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- श्री एम० शंकरन, लेखा अधिकारी/रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक (अस्थायी)—14-6-1976।
- श्री आर० पी० ककड़, स्थायी लेखा अधिकारी—14-6-1976।

श्री ए० के० घोष स्थायी लेखा अधिकारी 14-6-1976

पी० के० रामानुजम,  
रक्षा लेखा अपर महा-नियंत्रक (प्रशा०)

## रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा  
महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता-16, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

सं० 95/76/जी०—राष्ट्रपति ने श्री टी० बी० चिदाम्ब-रम् अस्थायी एस० ओ० ग्रेड-1 को डी० ए० डी० जी० ओ० ए०फ०/उप-प्रबन्धक के पद पर दिनांक पहली जून, 1973 से पुष्ट किया।

एम० पी० आर० पिलाय,  
सहायक महानिदेशक आर्डनेन्स फैक्टरियां

## वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ता का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1976

आयात तथा नियर्ता व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/890/70-प्रशासन (राज०)/7674—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थायी और इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-नियर्ता, श्री ए० प्रसाद को उसी सेवा के वर्ग 1 में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए 8-11-1976 से 31-12-1976 अवधि तक अथवा जब तक स्थायी प्रबंध न हो जाए इसमें से जो भी पहले हो उस तक के लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री ए० प्रसाद को मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ता के कार्यालय, नई दिल्ली में पूर्वोक्त अवधि के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ता के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 दिसम्बर 1976

सं० 6/533/58-प्रशा० (राज०)/7918—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रवरण वर्ग में स्थानापन्थ अधिकारी और इस कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ता, श्री ए० रामचन्द्रन को स्थानापन्थ रूप से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ता के रूप में दिनांक 1-11-1976 से अगले तीन मास के लिए अथवा जब तक स्थान खाली है उनमें जो भी पहले हो, के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० 6/1149/76-प्रशासन (राज०) 7943—राष्ट्रपति, इस कार्यालय में काम कर रहे केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के वर्ग-2 के स्थायी आशुलिपिक, श्री स्वर्ण सिंह को इस कार्यालय में 7 अगस्त, 1976 के दोपहर पूर्व से चार मास की अवधि के लिए या जब तक इस पद का स्थायी धारक नहीं आ जाता, इनमें से जो भी पहले हो, उस अवधि के लिए तदर्थ आधार पर केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के वरिष्ठ निजी सहायक (वर्ग-1) के रूप में स्थानापन्थ रूप से काम करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. यह इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 6/1149/76-प्रशा० (राज०) दिनांक 7-10-76 का अधिक्रमण करता है।

दिनांक 21 दिसम्बर 1976

सं० 6/1162/76-प्रशासन (राज०)-8114—राष्ट्रपति वाणिज्य मंत्रालय में स्थायी वर्ग 'सी०' के आशुलिपिक, एम० ए० सोनी को मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ता नई दिल्ली के कार्यालय में 26-11-76 से 28-2-1977 तक या जब तक उन्हें किसी नियमित पदाधारी ब्लारा प्रतिस्थापित नहीं किया जाता, इनमें जो भी पहले हो, के लिए बिल्कुल तदर्थ आधार पर आशुलिपिक वर्ग 'बी०' के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/155/54-प्रशासन (राज०)/8143—राष्ट्रपति, श्री ओ० ए० आनन्द, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ता, (गैर केन्द्रीय सचिवालय सेवा) को मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ता के कार्यालय, नई दिल्ली में 27-11-1976 से 31-1-1977 तक की अवधि के लिए बिल्कुल तदर्थ एवं अस्थायी आधार पर संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ता के रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० ए० पिला,  
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ता

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

सं० 18(1)/73-76/सी० एल० बी०-II—ऊनी वस्त्र (उत्पादन और वितरण) नियंत्रण, आदेश, 1962 के खण्ड 2 के उप-खण्ड (टी०) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 7(1)/63-कन्ट्रोल दिनांक 5 मई 1964 में निम्नलिखित संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में संभं सं० 3 में क्रम संख्या 3 के सामने की विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“वस्त्र आयुक्त के मुख्यालय और प्रादेशिक कार्यालयों के अधिकारी जो सहायक निदेशक या सहायक प्रबलं अधिकारी की श्रेणी से नीचे न हों और तकनीकी अन्वेषक और प्रबलं निरीक्षक”

दिनांक 15 दिसम्बर 1976

सं० 5(2)/76-सी० एल० बी०-II—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 31 और कृत्रिम रेशमी वस्त्र (उत्पादन और वितरण) नियंत्रण आदेश, 1962 के खंड 10 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निदेश देता हूं कि कलाई कारखाना रखने वाला प्रत्येक उत्पादक और प्रत्येक कृत्रिम रेशमी सूत विनिर्माता भारत सरकार वाणिज्य मंत्रालय द्वारा नियंत्रण सं० 68-आई० टी० सी० (पी० एन०)/76 दिनांक 24 जुलाई 1976, सं० 83-आई० टी० सी० (पी० एन०)/76 दिनांक 20 अगस्त 1976 और सं० 118-आई० टी० सी० (पी० एन०)/76 दिनांक 22 नवम्बर 1976 के अनुसार आयातित पोलिएस्टर फाइबर के आयात और उपभोग की सच्ची और सही सूचना नीचे संलग्न प्रपत्र में वस्त्र आयुक्त, सूती उद्योग शाखा, बम्बई को —

एक—नवम्बर 1976 के अंतिम दिन समाप्त हुई अवधि का प्रपत्र 24 दिसम्बर को या पहले और

दो—दिसम्बर 1976 से आरम्भ होने वाली अवधि का और बाद में प्रतिमास, जिस मास का प्रपत्र हो, उससे अगले मास की 10 तारीख तक भेज देगा ।

| प्रपत्र                         |                       |                       |   | परिणाम किलोग्राम में                |                                  |                     |               |
|---------------------------------|-----------------------|-----------------------|---|-------------------------------------|----------------------------------|---------------------|---------------|
| विनिर्माता/उत्पादक का नाम       | पता                   | आयात लाइसेंस का विवरण | मूल्य रूपयों में                          | प्रपत्र                             | मास में पोलिएस्टर                | मास में             | मास के अंत तक |
| 1                               | 2                     | 3                     | 4   | 5                                   | 6                                | 7                   | टिप्पणी       |
| क्रेडिट पत्र चालू होने की तारीख | क्रेडिट पत्र का मूल्य | अंतर्गत परिमाण        | आयातित पोलिएस्टर फाइबर का प्रारम्भिक बाकी | मास में पोलिएस्टर फाइबर का कुल आयात | मास में पोलिएस्टर फाइबर का उपभोग | मास के अंत तक फाइबर |               |
|                                 |                       |                       |   |                                     |                                  |                     |               |

टिप्पणी—24-12-1976 तक भेजे जाने वाले प्रपत्र के उपर्युक्त संभं 5, 6 और 7 में वाही गई सूचना में पोलिएस्टर फाइबर का आयात प्रारम्भ हुआ तब से लेकर नवम्बर 1976 के अंत तक की अवधि की सूचना होनी चाहिए ।

गोरी शंकर भार्गव, संयुक्त वस्त्र आयुक्त

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

सं० 50011/23/76-टी० सी० एच०—हथकरघा विकास आयुक्त 20 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश

होने तक श्री महाबीर चन्द्र सिंघवी को बुनकर सेवा केन्द्र, बम्बई में सहायक निदेशक ग्रेड II (गैर तकनीकी) के पद पर नियुक्त करते हैं ।

(कु०) रेणु साहनी  
उप विकास आयुक्त (हथकरघा)

पूर्ति विभाग  
पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय  
(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर, 1976

सं० ए०-१७०११/११२/७६-प्रशा०६—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण मंडल में स्थायी भंडार परीक्षक (इन्जी०) श्री पी० एन० गुप्ताटी को दिनांक 9 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से प्रागामी आदेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय के अधीन कलकत्ता निरीक्षण मंडल में सहायक निदेशक (इन्जी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 7 दिसम्बर, 1976

सं० ए०-१७०११ (108)/७६-प्रशा०६—राष्ट्रपति, 1975 की इन्जीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर मनोनीत प्रस्थायी श्री एस० सी० चड्हा को विनांक 22-11-76 से प्रागामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-I) के ग्रेड-III की इन्जीनियरी शाखा में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री चड्हा ने निरीक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय में दिनांक 22-11-76 के पूर्वाह्न से निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) का पदभार सम्भाल लिया।

सूर्य प्रकाश  
उपनिदेशक (प्रशासन)  
कृत महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय  
(इस्पात विभाग)

वेतन आयुक्त का कार्यालय (इस्को)

कलकत्ता-20, दिनांक 3 दिसम्बर 1976

सं० इस्को (प्रतिपूरक/नीति) (.)—मैं वेतन आयुक्त भारतीय लोहा और इस्पात कम्पनी (शेयर-अर्जन) धारा के खण्ड 5 (2) 1976 (सेन्ट्रल एक्ट 89, 1976 के) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्ति को प्रयोग करते हुए एतद्वारा श्री पी० के० घोष को जो कि केन्द्रीय सरकार में अधिकारी की हैसियत से नियुक्त है को मेरे ओर से कार्य-सुकृति प्रदान करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ। देखिए इस्पात विभाग अधिसूचना दिनांक 19 नवम्बर, 1976 जैसा कि यह कार्य मन्त्रालय संचया आई० एन० डी० 11-8 (67)/७६ दिनांक 19-11-1976 के अनुसार खण्ड 8 और 10 उक्त धारा के अधीन मुझमें वेतन आयुक्त के हिसाब से निहित किया गया है।

सं० इस्को (प्रतिपूरक/नीति) (.)—मैं वेतन आयुक्त भारतीय लोहा और इस्पात कम्पनी (शेयर अर्जन) धारा के खण्ड 5 (2) 1976, (सेन्ट्रल एक्ट 89, 1976 के) के अन्तर्गत

प्रदत्त शक्ति को प्रयोग करते हुए एतद्वारा श्री जे० एल० देब को, जो कि केन्द्रीय सरकार में अधिकारी की हैसियत से नियुक्त है, को मेरे ओर से लेखा को परिचालित करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ। देखिए, इस्पात विभाग अधिसूचना दिनांक 19 नवम्बर, 1976 तथा यह कार्य मन्त्रालय संचया आई० एन० डी० 11-8 (67)/७६ दिनांक 19-11-1976 के अनुसार मुझे सौंपा गया है।

टी० घोष, वेतन आयुक्त

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

सं० 4/72/19८०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्स्प्लोरेशन कॉर्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री टी० आर० गुप्ता ने सहायक भंडार अधिकारी के पद का कार्यभार, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, उसी क्षमता में, 30-9-76 के अपराह्न से संभाल लिया।

सं० 2181 (एच० एल० जे०)/19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री एच० एल० जैन को सहायक रसायनक के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, प्रागामी आदेश होने तक, 19 जुलाई०, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 15 दिसम्बर 1976

सं० 2181 (एम० पी० सी०)/19 बी०—श्री एम० पी० आधरकर, एम० एस-सी० को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक रसायनक के रूप में 650 रु० मासिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, प्रागामी आदेश होने तक, 30 सितम्बर, 1976 के अपराह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० के० एस० वरदन, महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

सं० ए० 19011 (119)/७०-स्था० ए०—श्री के० पी० सिंघ स्थायी कनिष्ठ खनन भूवैज्ञानी, भारतीय खान ब्यूरो ने कोल इन्डिया लिमिटेड में उप अधीक्षक भूवैज्ञानी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 14 दिसम्बर 1976 को

दोपहर के बाद मे कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी का पद भारतीय दिया है।

प्र० सी० रणधीर,  
प्रशासन अधिकारी,  
भारतीय खान व्यूर्गे

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण  
भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-700016, दिनांक 1 दिसम्बर, 1976

सं० 18-19/68/स्थापना—निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, विभागीय पदोन्नत मिति की सिफारिश पर श्री मनमोहन दास को 19 नवम्बर, 1976 से अगले आदेशों तक प्रकाशन अधिकारी के पद पर पदोन्नत करते हैं।

सी० टी० थोमस,  
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

विज्ञान और प्रौद्योगिकीय विभाग  
राष्ट्रीय एटलस संस्था  
कलकत्ता-19, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

सं० 35-2/75-स्था०—राष्ट्रीय एटलस संस्था के वरिष्ठ अनुसंधान सहायक डा० एस० के० राय की राष्ट्रीय एटलस संस्था में विज्ञानिक अधिकारी के पद पर दिनांक 18-12-76 से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से पदोन्नति की जाती है।

एम० पी० दामगुप्त  
निदेशक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण  
कलकत्ता-12, दिनांक 16 दिसम्बर, 1976

फा० सं० 92-83/74-स्थापना-22931—भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, प्रधान कार्यालय कलकत्ता के स्थानापन्न सहायक प्राणि वैज्ञानिक, श्री क्षेत्रपा सुधाकर (गुप्त “बी”) ने अपने पद से स्वेच्छा 29-2-1976 (प्रपराह) से इस्तीफा दे दिया।

दिनांक, 18 दिसम्बर 1976

फा० सं० 92-1299/75-स्थापना/23231—भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के श्रीमति नमिता सेन, वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष को, प्रधान पुस्तकाध्यक्ष (गुप्त “बी”) के पद पर कार्य करने के लिए 21 दिसम्बर 1976 (प्रपराह) से पदवी आधार पर 6 माह के लिए, अथवा उनके स्थार्थ होने तक जो भी पहले पड़ता हो, उसी कार्यालय में नियुक्त किया जा रहा है।

डा० स० खेरा,  
संयुक्त निदेशक-प्रभारी  
भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 16 दिसम्बर, 1976  
सं० 2/5/68-स्टाफ-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री पी० डी० प्राचारी, सेवाकार, आकाशवाणी, पणजी को दिनांक 1-12-76 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी, पणजी में, तदर्थ आधार पर, प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न करते हैं।

पी० एस० हेरले  
श्रीनुभाग अधिकारी  
कृते महानिदेशक

फिल्म प्रभाग  
मूचना और प्रमाण मंत्रालय

बम्बई-26, दिनांक 17 दिसम्बर, 1976

सं० ए०-12026/7/75-सिक्कन्दी-I—श्री एम० चन्द्रनाथर महायक प्रशासकीय अधिकारी का प्रशासकीय अधिकारी के पद पर नियुक्त करने के कारण फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री डी० आर० पेमवानी स्थानापन्न अधिकारी को फिल्म प्रभाग बम्बई में सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर दिनांक 19-11-76 पूर्वाह्न से नियुक्त किया है।

एम० चन्द्रन नाथर  
प्रशासकीय अधिकारी  
कृते प्रमुख निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 दिसम्बर, 1976

सं० 31014/1/76-स्थापना-2—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री एम० एल० भेहरा को इस निदेशालय में दिनांक 10 दिसम्बर, 1976 से भांडार अधिकारी के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

आर० देवासर  
उप निदेशक प्रशासन  
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

सं० 6-35/74 डी० सी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय औषध प्रयोगशाला, कलकत्ता में सह-जीव-रसायनिक डा० विजय कुमार मदान का त्यागपत्र 30 नवम्बर, 1976 से मंजूर कर लिया है।

एस० एस० गोठोसकर  
औषध नियंत्रक (भारत)  
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर, 1976

सं० ए० 12024/1/76 (डी० एस०) प्रशासन-I :—अपना त्याग पत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप डा० श्रीमति मंजीत लूधर ने 16 अक्टूबर, 1976 अपराह्न सफरजंग अस्पताल नई दिल्ली से दंत शिल्प चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 17 दिसम्बर, 1976

सं० ए० 31013/7/76 (एन० आई० सी० डी०) प्र० I राष्ट्रपति ने निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के आगे लिखी तारीख से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में स्थायी आधार पर सहायक कीट विज्ञानी के स्थायी पदों पर नियुक्त किया।

| अधिकारी के नाम             | तारीख   |
|----------------------------|---------|
| 1. श्री सी० पी० बिजयन      | 1-5-70  |
| 2. श्री० जी० सी० जोशी      | 22-3-72 |
| 3. श्री बी० एन० श्रीवास्तव | 22-3-72 |
| 4. श्री नवाब सिंह          | 22-3-72 |

दिनांक 20 दिसम्बर, 1976

सं० 26-9/74प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्री सहैद ताजीन पाशा को 17 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अस्थायी आधार पर राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली, में अनुसंधान अधिकारी (जीवन रसायन) के पद पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला  
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय  
(ग्राम विकास विभाग)  
विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय  
(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर, 1976

सं० फ० 1/40/71/प्र० फरी० I —श्री एस० पी० सिंह को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में दिनांक 21 नवम्बर, 1962 से उप विपणन विकास अधिकारी (जिसे अब सहायक विपणन अधिकारी के पदनाम से जाना जाता है) के स्थायी पद पर मूलतः नियुक्त किया जाता है।

जे० एस० उप्पल,  
कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र

बम्बई 400085 दिनांक 18 दिसम्बर 1976  
(कार्मिक प्रभाग)

सं० बी०/620/लेखा/ईजी०/2471—7 मितम्बर, 1976 की अधिसूचना सं० बी०/620/लेखा/1741 के क्रम में, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के नियंत्रक एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्थ सहायक लेखाकार श्री शंकर विष्णु भावे को 1 अगस्त, 1976 से 19 नवम्बर, 1976 तक के लिये छुट्टी रिक्त स्थान पर स्थानापन्थ सहायक लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन  
उप स्थापना अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 17 दिसम्बर, 1976

सं० ई (1) 03756—निदेशक, प्रावेशिक मौसम केंद्र, बम्बई, भारत मौसम विज्ञान विभाग के अन्तर्गत मौसम कार्यालय अहमदाबाद में स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी, श्री बी० जे० जैन 30 सितम्बर, 1976 के अपराह्न से स्वेच्छापूर्वक सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

(जी० आर० गुप्ता)  
मौसम विज्ञानी

हृते वेधशालाओं के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

सं० ई (I) 04381—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रावेशिक मौसम केंद्र, बम्बई के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री बी० जी० लेले को 19-11-76 के पूर्वाह्न से 17-1-77 तक 60 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री लेले, स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रावेशिक मौसम केंद्र, बम्बई के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई (I) 0531—इस विभाग की अधिसूचना संख्या ई(1) 05131 दिनांक 1-11-76 के अनुक्रम में वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रावेशिक मौसम केंद्र, मद्रास के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एस० आर० शेषाद्रि को 5-12-76 के पूर्वाह्न से 1-1-77 तक 28 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री शेषाद्रि, स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी, निदेशक, प्रावेशिक मौसम केंद्र, मद्रास के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I)/05393—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री पृच्छा एम० कुमार को 16-10-76 के पूर्वान्तर से 12-1-1977 तक नवासी दिन की अवधि के लिय स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री एच० एम० कुमार स्थानाप्रब्र महायक मौसम विज्ञानी निवेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में 10-10-76 के पूर्वाह्न से स्थानांतरित कर दिए गए हैं।

सं० ई० (I) 05485—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य वार्यानिय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक थी। एम० डी० कुमार को 2-12-76 के पूर्वाह्न से 30-1-77 तक 60 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियमित करते हैं।

श्री कुंद्रा, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

## एम० आर० एन० मणियन्, मौसम विज्ञानी कृत वैश्वरालालाओं के महानिदेशक

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1976

सं० ए० ३८०१२/११/७६-इ०एम०—निर्वतन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई क्षेत्र, बम्बई के कार्यालय के श्री पीयर्स थामस, बरिष्ट विमान निरीक्षक ने १ नवम्बर, १९७६ के पुर्वाल्ल से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सुरजीत लाल खंडपुर,  
सहायक निदेशक प्रशासन

## विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

सं० 1/416/76-स्था—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक, स्विंगिंग समूह, बन्वाई के तकनीकी सहायक, श्री टी० के० चौधरी को अल्पकालिक खाली जगह पर 20-9-1976 से लेकर 30-10-76 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अधिभियंता नियुक्त करते हैं।

## ह० ला० मलहोत्रा, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक

## वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय डाकघर न्य फारेस्ट

देहरादून, दिनांक 17 दिसम्बर, 1976

सं० १६/८२/७१-स्थापना-I—पांच वर्ष की प्रतिनियुक्ति अवधि पूरी होने पर, अध्यक्ष वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून ने श्री पांच० एस० सक्सेना, सहायक शिक्षक, उत्तरी वन राजिक महाविद्यालय, की सेवां दिनांक ५ नवम्बर, १९७६ के अपराह्न से महर्य उत्तर प्रदेश सरकार को मौंप दी है।

## पी० आर० के० भट्टाचार्य, कृत सचिव

केन्द्रीय उत्पाद शाल्क तथा सीमा शाल्क समाहनलिय

बानपुर, दिनांक 22 सितम्बर 1976

सं० 87/76—उस समाहर्तानिय के पृष्ठांकन पत्र सं० II (3) कांफल/61/75/एच० ८० सी०/पार्ट/3014/दिनांक 20-12-75 के अन्तर्गत, नोटिस के बदले ३ माह के वेतन और भत्ते देकर, एफ० आर० ५६ (जे०) के अन्तर्गत दिनांक २४-१२-७५ (अपराह्न) को अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त किए गए तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल अलीगढ़ में पहले पदस्थापित थी उल्लू० १०० हसेन स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'ख' अपने पद का कार्यभार दिनांक २४-१२-७५ (अपराह्न) को श्री बी० एल० सोती, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अलीगढ़ को सौंप कर सरकारी सेवा से दिनांक २४-१२-७५ (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गये। वह अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्ति की तारीख के बाद भी दिनांक २३-११-७७ तक छुट्टी पर रहे और उन्हे, अवकाश की उस अवधि को छाड़ कर जो उस अवधि के साथ साथ चलती है जिसके लिए नोटिस के बदले वेतन और भत्ते दिए जा चुके हैं, केन्द्रीय मिविल सेवा (अवकाश) नियमावली १९७२ के नियम ४०(७) (ए) में दी गई व्यवस्था के अनुसार अवकाश वेतन, जिसमें पैशन तथा सेवा निवृत्ति की अन्य सुविधाओं के बराबर पैशन की धनराश घटी होगी, मिलेगा। ऐसी अवधि के लिए अवकाश वेतन स्वीकार्य नहीं है।

पृष्ठांकन सं० II-250-इ० दी०/73/22050 दिनांक 15-5-76 के अधीन निर्गत अधिसूचना सं० 61/76 दिनांक 14-5-76 को यह अधिसूचना अधिकांत करती है।

सं० ८८/७६—इस समाहृतालिय के पृष्ठांकन पत्र सं० II (3) कॉफल/६१/७५/२६४३ दिनांक १७-१०-१९७५ के अन्तर्गत, नोटिस के बदले ३ माह के बेतन और भत्ते देकर, एफ० आर० ५६ (जे०) के अन्तर्गत विनांक २६-१०-१९७६ (पूर्वाल्प) को अनिवार्य रूप से सेवा निवृत किए गए तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल गाजियाबाद प्रथम मे पहले पदस्थापित श्री एन० एस० भट्टनागर स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'ख' अपने पद का कार्यभार दिनांक २६-१०-७५ (पूर्वाल्प) को श्री एम० डी० चौधरी अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल गाजियाबाद प्रथम को सौंप वार सरकारी सेवा से दिनांक २६-१०-७५ (पूर्वाल्प) को सेवा निवृत हो गए। वह अनिवार्य

रूप से सेवा निवृत्ति की तारीख के बाद भी दिनांक 30-11-76 तक छुट्टी पर रहेंगे और उन्हें अवकाश की उस अवधि को छोड़ कर जो उस अवधि के साथ चलती है जिसके लिए नोटिस के बदले वेतन और भत्ते दिए जा चुके हैं, केंद्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियमावली 1972 के नियम 40(7)(ए) में दी गई व्यवस्था के अनुसार अवकाश वेतन, जिसमें पेशन तथा सेवा निवृत्ति की अन्य प्रसुविधाओं के बराबर पेशन की धनराशि घटी होगी, मिलेगा। ऐसी अवधि के लिए अवकाश वेतन स्वीकार्य नहीं है।

पृष्ठांकन सं० II—156/ई० टी० /69/22058 दिनांक 15-5-76 के अधीन निर्गत अधिसूचना सं० 60/76 दिनांक 14-5-76 को यह अधिसूचना अधिकृत करती है।

सं० 89/76—इस समाहृतलिय के पृष्ठांकन पत्र सं० II(3) कांफल 61/75/एच० ए० सी०/पाठ/3017 दिनांक 20-12-75 के अन्तर्गत, नोटिस के बदले 3 माह के वेतन और भत्ते देकर, एफ० आर० 56 (जे०) के अन्तर्गत दिनांक 22-12-75 (अपराह्न) को श्रनिवार्य रूप से सेवा निवृत्ति किए गए तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल गाजियाबाद द्वितीय में पहले पदस्थापित श्री आर० के० विट्टा स्थानापत्र अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल गाजियाबाद द्वितीय को सौंप कर सरकारी सेवा से दिनांक 22-12-75 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गए। वह अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्ति की तारीख के बाद भी दिनांक 31-12-76 तक छुट्टी पर रहेंगे और उन्हें अवकाश की उस अवधि को छोड़कर जो उस अवधि के साथ चलती है जिसके लिए नोटिस के बदले वेतन और भत्ते दिए जा चुके हैं, केंद्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियमावली 1972 के नियम 40(7)(ए) में दी गई व्यवस्था के अनुसार अवकाश वेतन, जिसमें पेशन तथा सेवा निवृत्ति की अन्य प्रसुविधाओं के बराबर पेशन की धनराशि घटी होगी, मिलेगा। ऐसी अवधि के लिए अवकाश वेतन स्वीकार्य नहीं है।

पृष्ठांकन सं० II 503/ई० टी०/62/पाठ/24355 दिनांक 20-5-76 के अधीन निर्गत अधिसूचना सं० 66/76 दिनांक 17-5-76 को यह अधिसूचना अधिकृत करती है।

सं० 90/76—इस समाहृतलिय के पृष्ठांकन पत्र सं० (3) कांफल 61/75/एच० ए० सी०/पाठ/3019 दिनांक 20-12-75—के अन्तर्गत, नोटिस के बदले 3 माह के वेतन और भत्ते देकर, एफ० आर० 56 (जे०) के अन्तर्गत दिनांक 23-12-75 (अपराह्न) को श्रनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त किए गए तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मंडल फर्मखाबाद में पहले पदस्थापित श्री ई० ए० चन्द्रवेदी अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'ख' अपने पद का कार्यभार दिनांक 23-12-75 (अपराह्न) को श्री रघुवर दयाल अधीक्षक, को सौंप कर सरकारी सेवा से दिनांक 23-12-75 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गए। यह अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्ति की तारीख के बाद भी दिनांक 14-1-77 तक छुट्टी पर रहेंगे और उन्हें, अवकाश की उस अवधि को छोड़कर उस अवधि के साथ चलती है जिसके लिए नोटिस के बदले वेतन और भत्ते दिये जा चुके हैं, केंद्रीय सिविल

सेवा (अवकाश) नियमावली, 1972 के नियम 40(7)(ए) में दी गई व्यवस्था के अनुसार अवकाश वेतन, जिसमें पेशन तथा सेवा निवृत्ति की अन्य प्रसुविधाओं के बराबर पेशन की धनराशि घटी होगी, मिलेगा। ऐसी अवधि के लिए अवकाश वेतन स्वीकार्य नहीं है।

पृष्ठांकन सं० II 252/ई० टी०/62/पाठ/22058 दिनांक 15-5-1976 के अधीन निर्गत अधिसूचना सं० 62/76 दिनांक 14-5-76 को यह अधिसूचना अधिकृत करती है।

कुंवर श्री दिलीपसिंह जी समाहृती

शिलांग-793001, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

सं० 8/76—केन्द्रीय आवागारी कलक्टरेट शिलांग के निरीक्षक (चुनाव ग्रेड) श्री मदामन्द बनिक्य के अगले आवेदन जारी होने तक स्थापन रूप में केन्द्रीय आवागारी अधीक्षक (शेषोन्ख) नियुक्त किया गया। श्री बनिक्य ने केन्द्रीय आवागारी के अधीक्षक के रूप में दिनांक 23-11-76 (पूर्वाह्न) से धबड़ी में कार्यभार संभाला।

के० एस० साहा,  
समाहृती

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

सं० क-19012/558/75-प्रशा० पांच—श्री डी० के० शर्मा महायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-ज्ञानात्मक वर्ग) के जल और विद्युत विकास निवाहकारी सेवाएं (भारत) लि० में विदेश सेवा पर जाने के फलस्वरूप उन्होंने केन्द्रीय जल आयोग में दिनांक 29 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से कार्यभार ल्याय विद्या है।

असवंत सिंह,  
अवर सचिव

हृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1976

सं० 33/12/73-ई० सी० 9—राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री जे० जे० ए० मजीठिया को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600 रुपए (तथा सामान्य भत्ते) के वेतन मान में 1300/- रुपए प्रतिमास वेतन पर सामान्य शर्तों पर 6-12-76 (पूर्वाह्न) से वास्तुक के अस्थायी पद (सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप-ए) पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री मजीठिया 6-12-76 पूर्वाह्न से दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रखे जाते हैं।

3. श्री मजीठिया मुख्य वास्तुक एकक, केन्द्रीय कार्यालय, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली में तैनात किए जाते हैं।

सं० 33/3/75-ई०सी० 9—प्रभुख इंजीनियर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री ए० डब्लू० पश्चिमकर को केंद्रीय लोक निर्माण विभाग में उपवास्तुक (सामान्य केंद्रीय सेवा वर्ग-क के अस्थायी पद पर नियुक्त करते हैं। फिलहाल वे सामान्य शर्तों पर 1-12-76 (पूर्वाह्नि) से 700-40-900-दक्षतारोक-40-1100-50-1300 (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 700/- मासिक वेतन लेंगे।

2. श्री पश्चिमकर 1-12-76 से दो वर्ष की परिवीक्षा अधिकार पर रहेंगे।

सु० स० प्रकाश राव,  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते प्रभुख इंजीनियर

रेल मंत्रालय  
(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

सं० 74/प्रार० ई०/161/1—रेलवे लाइन तथा परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को अधिसूचित किया जाता है कि साहिकाबाद खंड (रहित) से दिल्ली जंकशन (सहित) तक (संरचना सं० 11/29 और 22 से संरचना सं० 0/2188/3188 तक) और दिल्ली जंकशन खण्ड (रहित) से नयी दिल्ली (रहित) तक (संरचना सं० 0/2188-3188 से संरचना 1539/8 और 11 तक) के खंड में सिरोपरि कर्पण के तार दिनांक 15-12-1976 तथा उसके बाद किसी भी दिन 25 किलोवोल्ट ए० सी० पर धालू कर दिये जायेंगे। उसी तारीख से सिरोपरि कर्पण तारों को सभी समय बिजली युक्त माना जायेगा तथा किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को उसके समीप नहीं जाना चाहिए और न ही कोई कार्य करना चाहिए।

बी० मोहन्ती,  
सचिव, रेलवे बोर्ड

वक्षिणपूर्व रेलवे  
कार्यालय महाप्रबन्धक

कलकत्ता-43, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

सं० पी० जी०/14/300 ई०—कार्मिक शाखा के श्री एम० एस० राव, स्थानापन्न अधिकारी, श्रेणी II का पुष्टिकरण दिनांक 8 मई, 1976 से इसी पद पर किया जाता है और उन्हें यातायात (परिवहन) एवं वाणिज्य विभाग दिया जाता है।

एम० मेनेजिंग,  
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय श्रीर कम्पनी कार्य मंत्रालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और

स्टील कीट फाउन्डेशन लिमिटेड, (समापनअन्तर्गत) के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

सं० एस०/26282/एच० डी०/1791—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्चन्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 2-10-75 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश किया है और राजकीय समापक, उच्चन्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

एन० एन० मौलिक,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 (2) के अधीन सूचना

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और अनिल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

सी० एम० सं० 3911/लिक्वि०—सिविल अर्जी सं० 209 के 1975 में बम्बई हाईकोर्ट में स्थित उच्चन्यायालय के तारीख 4-3-1976 के आदेश द्वारा अनिल प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हॉग थिएटरस लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर 1976

सं० 1554/560 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हॉग थिएटरस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं हरगांव शुगर मिल्स लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर 1976

सं० 16455/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हरगांव शुगर मिल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पी० टी० गजवाणी,  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445121

के अधीन सूचना

दी कम्पनी अधिनियम 1956 के मामले में

और

टवित सिटीज़ फाइनेंस एंड चिटफंडज़ प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

हैदराबाद, दिनांक 18 दिसम्बर 1976

सं० 1593/लिक्वि०—सिविल अर्जी सं० 3 आफ 1975 में स्थित आंध्र प्रदेश उच्चन्यायालय के तारीख 22-8-1975 के

आदेश द्वारा टविन सिटीज फाइनेंस एण्ड चिट फंडज प्राइवेट लिमिटेड  
का परिसमापन करने का उपादेश दिया गया है।

ओ० पी० जैन  
रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज  
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स गरुड़ा थियेटर कल्ब  
लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 18 दिसम्बर 1976

सं० सांख्यिकी/1323/14508—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतश्वारा  
यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर  
मैसर्स गरुड़ा थियेटर कल्ब लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण  
दर्शित नहीं किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी  
थिएटित कर दी जायेगी।

राम दयाल कुरील  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
राजस्थान, जयपुर

कार्यालय आयकर आयुक्त  
लखनऊ, दिनांक 9 दिसम्बर 1976

आयकर स्थापनाकार्य

सं० 211—आ० एच० के० नारायण के सरकारी सेवा से  
निवृत्त हो जाने पर श्री वाई० सिंह ने तारीख 30-9-76 को अप-  
रात्रि में निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त बरेली के रूप में कार्यभार  
ग्रहण किया।

सं० 212—श्री के० सी० गुप्त के सरकारी सेवा से निवृत्त  
हो जाने पर श्री जी० के० जलोटा ने आयकर अधिकारी ए वार्ड  
बरेली के रूप में तारीख 1-11-76 को पूर्वात्मा में कार्यभार ग्रहण  
किया।

सं० 213—श्री एचपी० अग्रवाल के सरकारी सेवा से निवृत्त  
हो जाने पर श्री कैसर शमीम ने तारीख 1-11-76 को पूर्वात्मा में  
आयकर अधिकारी ए वार्ड वेतन वृत्त लखनऊ के रूप में कार्यभार  
ग्रहण किया।

एस० के० लाल  
आयकर आयुक्त

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, 4/14क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1228/76-77—  
अतः मुझे एम० एस० गोयला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5118, 5119, 5120 और कुछ भाग  
5121 का है तथा जो हरफूल सिंह बिल्डिंग, सब्जी मन्डी,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, जून 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. चौ० निधान सिंह पुत्र श्री हरी राम स्वयं और  
पुत्र श्री संजय सिंह के लिए और अटारनी श्रीमती भागवती  
निवासी 4495, पहाड़ी धीरज, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री कीमती लाल कालरा पुत्र श्री बरकत राम  
कालरा, निवासी 5121/12, हरफूल मिह बिल्डिंग, घंटा  
घर, सब्जी मन्डी, दिल्ली। (अन्तरिती)

3. (1) श्री हर्गिशन सिंह, (2) श्री हजारी लाल,  
(3) सीता राम, तोता राम, (4) गोदा राम श्याम लाल,  
(5) प्रभु दयाल, (6) कीमती लाल। (वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20 के यथा-  
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

एक दो मंजिला भकान जिसका नं० 5118, 5119,  
5120 और कुछ भाग 1521 का है जो कि 140 बर्ग गज  
भूमि पर बना है और हरफूल सिंह बिल्डिंग, सब्जी मन्डी,  
घंटा घर के पास, दिल्ली में स्थित है।

एम० एस० गोयला  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 22 दिसम्बर, 1976

मोहर :

प्रस्तुत श्राई० टी० एन० एस०—

1. श्री के० रामचन्द्रन

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ति देवी और श्री बुन्द्राज जेथिन।  
(अन्तरिती)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 13 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० 5146/76-77—यतः मुझे, एस० राजरत्नम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 40, मुत्तैयाल नायलन स्ट्रीट है, तथा जो

मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरस्वाक्षरम, मद्रास (डाकुमेण्ट 497/76) म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-4-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मद्रास, पुरस्वाक्षरम, मुत्तैयाल नायलन स्ट्रीट, डोर सं० 40 में 1 ग्राउण्ड और 559 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास।

तारीख : 13-12-1976  
मोहर :

ग्राही० दी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 विसम्बर, 1976

निर्देश सं० 5148/76-77—यतः मुझे, एस० राजरत्नम प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 42, दूसरा भेदिन रोड, है तथा जो गांधी नगर, मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० प्रार०-1 मद्रास (डाकुमेण्ट 1859) म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-4-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रतिरक्त (अन्तरक) और प्रतिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य सास्तियों, जो जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एम० एस० रामचन्द्रन (अन्तरक)  
2. (1) श्री के० रामचन्द्रन,  
(2) श्रीमती आर० सीमतिनि,  
(3) श्री आर० जयकुमार,  
(4) श्री आर० उदयकुमार,  
(5) श्री आर० राजकुमार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, गांधी नगर, दूसरा भेदिन रोड, डोर सं० 42 में 3 ग्राउण्ड और 1583 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 17-12-76।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 13 दिसम्बर 1976।

निर्देश सं० 5149/76-77—यतः मुझे एस० राजरत्नम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 22 है तथा जो प्रकाश मुद्रित स्ट्रीट, मद्रास 17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट 430/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अन्तर्ल, 1976 को

पूर्वोंतस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्ल (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269 आयकर अधिनियम की घारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :—

3—406GI/76

1. सर्व श्री के० टी० कुरुपनन्दम, के० टी० वड्डिवरसन, के० टी० रविवेन्द्रन और के० टी० दयालन।  
(अन्तरक)

2. सर्व श्री के० रामचन्द्र, के० लकराज, के० तलराम, के० रावाकृष्णन, के० दीलतराप, और के० नारायण दाम।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-17, टी० नगर, प्रकाश मुद्रित स्ट्रीट, डोर सं० 22 में 4 ग्राउन्ड और 2056 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ) (टी० एस० सं० 4029/3)।

एस० राजरत्नम  
सभाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 13-12-1976।  
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एम० एस० के० स्वामी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री ए० एस० राव

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 5150/76-77—यतः मुझे, एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 8 है तथा जो रामस्वामी मेस्टिर स्ट्रीट, मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्पिकेन, मद्रास (डाकुमेण्ट 205/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1976 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अत्यरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छत या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियः, इथं १८

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-2, उडस रोड, रामस्वामी मेस्टिर स्ट्रीट, डोर सं० 8 मैं 1236 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ) (आर एस० सं० 296/4 भाग)।

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-12-76  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

1. श्री बी० प्रबाकर शेट्टी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, 123, माउन्ट रोड, मद्रास-600006  
मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 5151/76-77—यतः मुझे एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8, वाडलस रोड है तथा जो किल्पाक, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरस्वाक्षरम, मद्रास (डाकुमेण्ट 521/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्रीमती जयबेन जिवन्दास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-10, किल्पाक, वाडलस रोड, डोर सं० 8 में दो ग्राउण्ड और 1800 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरत्नम  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 13-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123, माउन्ड रोड मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 5192/76-77—यतः मुझे एस० राजरत्नम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० "ए", डोर सं० 50, है तथा  
जो नियागराया रोड, टी० नगर, मद्रास-17 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सैदमेट 'मद्रास' (डाकु-  
मेण्ट 269/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-4-1976 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
पत्ति के उक्त अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

1. (1) श्रीमती बालम जानकिराम,
- (2) श्रीमती लक्ष्मी रौस्तेन्द्रेच,
- (3) श्रीमती कल्याणी इस्वरन,
- (4) श्री के० जे० सीतारामन,
- (5) श्री के० जे० रामस्वामी, और
- (6) श्री वीपक रामस्वामी । (अन्तरक)

2. श्री मुरलिदर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

मद्रास-17, टी० नगर, प्लाट सं० 33, ब्लॉक सं०  
14, टी० नगर (मद्रास), सर तियाकराया रोड, डोर सं०  
50 में 2 ग्राउन्ड और 300 स्क्वेयर फीट की खाली भूमि ।  
(प्लाट 'ए'-टी० एस० सं० 6546 और 9327) ।

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 13-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 5193/76-77—यतः मुझे एस० राजरत्नम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', वहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 29, है तथा जो बालाजी रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्पिलकेन, मद्रास (डाकुमेन्ट 240/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-4-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० बी० राममूर्ति (अन्तरक)

2. श्री आर० नारायण मूर्ति (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के रापजस्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के रापजस्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-2, मौण्ट रोड, बालाजी रोड, डोर सं० 29 में) भूमि और मकान। (1225 स्क्वेयर फीट) (आर० एस० 3039/2)

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 17-12-1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास  
मद्रास-600006, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 5193/76-77—यतः मुझे एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 28 है तथा जो वालाजा रोड, मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्पिं-केन 'मद्रास' (डाकुमेन्ट 241/76) म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के [अधीन, तारीख 29-4-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 द्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

1. श्री पी० बी० राममूर्ति (अन्तरक)

2. श्री आर० नारायण मूर्ति (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू०

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मद्रास-2, मौजूद रोड, वालाजा रोड, डोर सं० 28 में भूमि और मकान (1715 स्क्वेयर फौट) (आर० एस० सं० 3039/2)।

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-12-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

1. श्री जे० एच० तारापूर (ग्रन्तरक)  
2. श्री ए० के० रंगनातन (ग्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 7 विसम्बर 1976

निर्देश सं० 5211/76-77—यतः मुझे एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 24 है तथा जो तचि अरुनाचल मुदलि स्ट्रीट, मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-1, मद्रास उत्तर (डाकुमेण्ट 2094/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घर या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, मैलापूर, तचि अरुनाचल मुशलि स्ट्रीट, डोर सं० 24 में 1650 स्क्वेयर फीट (मकान के साथ)। (आर० एस० सं० 2871/1)।

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 7-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 5209/76-77—यतः मुझे एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से और जिसकी सं० 1 नागप्पैयर स्ट्रीट है तथा जो मद्रास-5 म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-I मद्रास (उत्तर) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-4-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर आयुक्त (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. सर्वश्री आर० राजीस्वरन, आर० जयकुमार और आर० सिवकुमार (अन्तरक)  
2. श्रीमती आर० एम० हौलाबीति (अन्तरिति)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितयों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, ट्रिप्पिकेन, नागप्पैयर स्ट्रीट, डोर सं० 1 में 1262 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ) (नया आर० एस० सं० 601/4)

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 13-12-1976

मोहर :

प्रूलप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री जे० एच० तारापुर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 7 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 5211/76-77—अतः मुझे एस० राजरत्नम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 24, तचि अरुनाचल है तथा जो मुदलि स्ट्रीट, मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-1 मद्रास (उत्तर) (डाकुमेण्ट 2095) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—406GI/76

2. श्री एस० श्रीरामन

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, मैलापुर, तचि अरुनाचल मुदलि स्ट्रीट, डोर सं० 24 में 1550 स्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)। (आर० एस० सं० 2871/1)

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 7-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

1. श्रीमती मुस्ताज़ अहमद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 7 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० 5212/76-77—यतः मुझे एम० राजरत्नम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 9/2 है तथा जो बीजयरागवाचारी रोड, मद्रास-17 (ग्राउण्ड फ्लोर फ्लैट) में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-I मद्रास (उत्तर) (डाकुमेण्ट 2104/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों यों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपद्वारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मद्रास-17, टी० नगर, बिजयरागवाचारी रोड, छोर सं० 9/2 में ग्राउण्ड फ्लोर फ्लैट (एस० सं० 38/2, टी० एस० 4887/2)

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 7-12-1976

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई ० टी० एन० एस०—

1. श्री जी० आर० अहमद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती लक्ष्मी रामबत्तरन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, राहायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 7 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 5212/76-77—यतः मुझे, एस० राजरत्नम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा० गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9/2 विजयरागवचारी रोड है तथा जो मद्रास-17 (पहला फ्लोर, फ्लैट) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एम० आर०-१, मद्रास (उत्तर) (डाकुमेण्ट 2105) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की आवस्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अंदोहस्ताक्षरी के पास लिहित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

मद्रास-17, विजयरागवचारी रोड, डोर सं० 9/2 में पहला फ्लोर (एम० सं० 58/2, टी० एम० सं० 4887/2)।

एम० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 7-12-1976

मोहर :

प्ररूप० आई टी० एस०—

1. श्रीमती टी० एस० जयलक्ष्मी

(अन्तरक)

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

निवेद सं० 5218/76-77—यतः मुझे एस० राजरत्नम, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269वां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 4 है, तथा जो तिरमलै पिलै रोड, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट 482/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-4-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी बरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वां के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269वां (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्रीमती बी० हमसा और बी० सुमत्त (मैनर) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-17, तिरमलै पिलै रोड, डोर सं० 4 में 2 ग्राउण्ड और 1540 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 13-12-1976

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269वीं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 5219/76-77—यतः मुझे, एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269वीं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 76/1 है तथा जो नुगम्बाक्लम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास (डाकुमेण्ट 514/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अंकित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में नमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वीं के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269वीं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थतः—

1. श्रीमती पी० ए० कुप्रस्माल और रमनि प्रस्माल (अन्तरक)
2. के० एम० मोहम्मद अब्दुल खादर फर्म (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतब द्वारा कार्यवाहियों शुल्क करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मद्रास-6, नुगम्बाक्लम, अन्डर्सन रोड, डोर सं० 9 में  
खाली भूमि (आर० एस० सं० 76/1) (2 ग्राउण्ड और  
2250 स्क्वेयर फीट)।

एस० राजरत्नम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, मद्रास।

तारीख : 13-12-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 10 दिसम्बर, 1976

निक्षेप सं० 5220/76-77—यतः मुझे, एम० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बता गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वारा उन्ने वा कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास-6, ग्रीम्स रोड, है तथा जो डोर सं० 5 (एस० सं० 43/4 और 43/3) में स्थित है (आंतर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास (डाकु-मेण्ट 520/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से उम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में कमी वरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्तातः—

1. श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिरुनाउक्करसु और एम० आनन्दन (अन्तरक)

2. श्री डी० कोतन्डम, डी० पान्डु और डी० मोहन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन वे संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रस्तावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5, एस० सं० 43/4 और 43/3 खाली भूमि में 1/6 अभिस भाग (मकान का सबसे नोचे का भाग के साथ)।

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 10-12-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

1. श्री जी० सन्जीवि रेड्डि

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती एम० जमुना कुमारि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006 दिनांक 13 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 5223/76-77—यतः मुझे, एस० राज-  
रत्नम्,प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्तम प्राधिकारी वो, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 45/4 वी है तथा जो सौत वेस्ट बोग  
रोड, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के  
कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट सं० 567/76)  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 5-5-1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृद्दि किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वींधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,  
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मद्रास-17, टी० नगर, सौत वेस्ट बोग रोड, डोर  
सं० 45/4 बी० मै 2 ग्राउन्ड और 984 स्क्वेयर फीट की  
भूमि (मकान के साथ) (प्रार० एस० सं० 151/2 भाग)।एस० राजरत्नम  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 13-12-1976।

मोहर

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 2872/76-77—यतः भुजे ए० राजरत्नम, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 555/1, 562, 556, 555/2, 563 और 553 है तथा जो सोमयम्पालयम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, ज० ए० ए० आर०-॥ कोयम्बत्तूर (डाकुमेण्ट 789/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-4-1976 को

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और भुजे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य रा उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मे० मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता :—

1. श्रीमती मेरि तामस, एलिसबेन चेरियन, सरोजिनि चेरियन और ललिता मात्यु (अन्तरक)

2. हिन्दुस्तान रबर प्रोडक्ट्स (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सोमयम्पालयम गांव (ताडागम मेयिन रोड, कोयम्बत्तूर) सं० 555/1; 562; 556; 555/2, 563 और 553 [5.05 एकड़ की भूमि (मकान के साथ) ।]

ए० स० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 17-12-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री डॉ दन्दमानी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

2. डॉक्टर डॉ० राजेन्द्रन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, विनांक 14 दिसम्बर 1976

निवेद सं० 2873/76-77—यतः मुझे एस० राजरत्नम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11/3 मालविया स्ट्रीट है तथा जो रामनगर कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-III कोयम्बटूर (डाकुमेण्ट 1162) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-4-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपद्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—406GI/76

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापकरणित है, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

कोयम्बटूर, रामनगर, मालविया स्ट्रीट, डोर सं० 11/3 में भूमि और भकान।

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 14-12-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुष्ट (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, मद्रास

मद्रास, 600006 दिसम्बर 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 2874/76-77—यतः मुझे एस० राजरत्न, आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सैट सं० 4, 5 और 13 है तथा जो नारायणस्वामी ले आउट, कोयम्बत्तूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-III, कोयम्बत्तूर (डाकुमेण्ट 1197) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-4-1976

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एन० वेंकटेसन और एन० देवरजन  
(अन्तरक)  
2. श्री वेंकटेस्वरा टिम्बर डिपो  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पाद्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बत्तूर, सर्वे बांड सं० 8 और म्युनिसिपल बांड सं० 15, कृष्णास्वामी मुदलियार रोड, जी० नारायणस्वामी नायुडु से आउट, सैट सं० 4, 5 और 13 में भूमि और मकान।

तारीख : 14-12-1976

मोहर :

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आधिकर आयुष्ट (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री के० आर० रामस्वामि (अन्तरक)  
2. श्री वी० राजामनि चेट्टियार (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास  
मद्रास-600006, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 2875/76-77—यतः मुझे एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' बहाया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8/30 सी०, रेस कोर्स है तथा जो रोड, कोयम्बत्तर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, जै० एस० आर० कोयम्बत्तूर (डाकुमेण्ट 1220) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-4-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिति की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान उत्पल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतदिक रूप से कथित नहीं बिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भरहर उच्चत रथ वर सम्पत्ति में हितशब्द विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थ हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

दृष्टिकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम वे ऋग्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा जो उस ऋग्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बत्तूर, रेस कोर्स रोड, डोर सं० 8/30 सी० में 13.57 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ) (नया टी० एस० सं० 1/1451)।

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-12-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

निवेश सं० 2883/76-77—यतः मुझे, एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 98, डोर सं० 148 ए०, वार्ड सं० 2 है तथा जो सूरम्पटि गांव, ई रोड, (आधा भाग) में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-1, ई रोड (डाकुमेण्ट 1122) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-4-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने का अधिकारी या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, प्रथातः—

1. श्री वी० पी० मुत्तुकुमारस्वामि गौण्डर एण्ड कम्पनी (अन्तरक)
2. श्रीमती कोलन्दै अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ई रोड तालुका, सूरम्पटि गांव, एस० सं० 98 और वार्ड सं० 2, डोर सं० 148 ए में भूमि, मकान और यन्त्र (आधा भाग)।

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 17-12-1976

मोहरः

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 2886/76-77—यतः मुझे, एस० राज-  
रत्नम्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी एस सं० 98 और डोर सं० 148 ए, वार्ड सं० 2  
है तथा जो सूरम्पटि गांव, ई रोड (अधा भाग) में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०,  
I, ई रोड (डाकुमेण्ट 1244) में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
5.5.1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
बृह्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अनुसरण के लिए क्या पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारं विक रुप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी इन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० पी० अरुमुग गोप्तर एंड कम्पनी  
(अन्तरक)

2. श्री सी० कोमारसामि और सी० कृष्णमूर्ती  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

**रप्टरीफरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पारिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

ई रोड, तालुका, सूरम्पटि गांव, एस० सं० 98 और  
वार्ड सं० 2, डोर सं० 148 ए में भूमि, मकान और यत्न  
(अधा भाग) ।

एस० राजरत्नम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 2894/76-77—यतः मुझे, एस० राजरत्नम, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दृष्टके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 8/30 रेस कोर्स रोड है तथा जो कोयम्बतूर-18 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 1572/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-5-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, दूसरे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि की दृष्टि, 'दृष्टि अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 268-घ अ० उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० आर० रामस्वामि और वासुदेवन (अन्तरक)

2. श्रीमती एल० सरोजिनि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोयम्बतूर 18, रेस कोर्स रोड, डोर सं० 8/30 में 37 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ) (टी० एस० सं० 1/1451)

एस० राजरत्नम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II मद्रास ।

तारीख: 8-12-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

1. श्रीमति गिरिजा बालगुरुवैया (अन्तरक)

2. श्री वी० एन० रामानुजम एन० श्रीनिवास; एन० सोम-  
भुन्दरम और श्रीमति सर्गुना बाय (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 4006/76-77—अतः मुझे, एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 32 और 33, है तथा जो गांधी नगर, ई रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I ई रोड 'डाकुमेण्ट 1047/76' में, रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब्द उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्थाप्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

ई रोड, गांधी नगर, डोर सं० 32 और 33 में भूमि और मकान (रेविन्यु बार्ड III, म्युनिसिपल बार्ड सं० 13, टी० एस० 897/1, सैट सं० 6 और 7 (भाग) ।

एस० राजरत्नम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख 17-12-1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

1. श्रीमति बी० पी० वल्लयम्माल (अन्तरक)।
2. श्रीमति एम० मंकजम (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269८(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 17 दिसंबर 1976

निदेश सं० 4048/76-77—यतः मुझे, एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26९८ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० 34 (टी० एस० सं० 500/1 ए1), है तथा जो रामसामि गौण्डर स्ट्रीट, वार्ड सं० 17, ईरोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I, ईरोड, (डाकुमेंट 1170/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-4-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक रूप से विधित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे छचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269८ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269८ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध विसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अद्युसूची

ई रोड, वार्ड सं० 17, रामस्वामि गौण्डर स्ट्रीट, ओर सं० 34 में भूमि और मकान (टी० एस० सं० 500/1 ए1) (डाकुमेण्ट 1170/6)।

एस० राजरत्नम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख 17-12-1976

मोहर:

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

निवेदण सं० 3579/76-77 :—अतः मुझे, एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दनलिश्म पेपर एड बोर्ड मिल एल० एन० समुद्रम गांव में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेस्ट कर्ट (डाकु-मेट 1069/76) में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव्यंग प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 6—406जी०प्राई०/76

1. 1. एस० गोविंदराज;
2. एस० सिवराज;
3. एस० मलियासनपति;
4. एस० श्रीनिवासन (मैनर);
5. एस० राजेस्वरन और
6. एस० केसवराज (मैनर)

(अन्तरक)

2. 1. एम० बालसामि;
2. बी० आनन्दन;
3. बी० मोहन (मैनर);
4. टी० एम० अर्तनारिं मुदलियार;
5. एम० नटराजन; और
6. एम० लोगनातन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एल० एन० समुद्रम गांव, कोयम्बतूर—तिरुच रोड में दनलिश्म पेपर एड बोर्ड मिल ।

एस० राजरत्नम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 8 दिसम्बर, 1976 ।

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 3579/76-77—अतः मुझे, एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10 और 11 बार्ड सं० 1, लक्ष्मि नारायण समुद्रम पण्डायट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेस्ट कस्ट राइटर (डाकुमेंट 1068/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-1976

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति एस० लक्ष्मि अम्माल;
2. हन्दिरानी } मैनर
3. सोबनादेवी } मैनर
4. श्रीमति एम० मरोजिनी
5. श्रीमति एस० मनिकम्माल;
6. श्रीमति पुश्पवल्लि;
7. श्रीमति एस० पत्मावति;
8. एस० तिलकवति (मैनर) (अन्तरक)

2. 1. टी० एम० अर्तनारि मुदलियार;
2. एम० बालुस्वामि;
3. बी० आनन्दन;
4. बी० मोहन (मैनर);
5. एम० नटराजन; और
6. एम० लोगनातन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, वे भी उक्त दृव्योंवधि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लक्ष्मि नारायण समुद्रम पण्डायट बार्ड सं० 1 डोर सं० 10 और 11 में 54 1/8 सेण्ट की भूमि (एस० सं० 162 और 163)।

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 8-12-1976।

मोहन :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०

1. श्री राम विलास सर्वीस लिमिटेड (अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 3582/76-77—अतः मुझे, एस० राजरतनम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं०नया टी०एस०सं० 5921/1 बी०है तथा जो तिहम-टाम रोड, पुदुकोट्टै में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-4-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री वी० वी० सी० मुनिष्प चेट्टियार,  
सी० एम० रामचन्द्रन,  
एम० जकशातन,  
सी० एम० नीनाशी सुन्दरम और  
लीडर रब्बर इंडिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पुदुकोट्टै तिहमयम रोड, नया टी०एस०सं० 5921/1 बी० में 87120 स्क्युर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरतनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 8 दिसम्बर 1976।

मोहर:

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राम्यकर (निरीक्षण) ।

अर्जन रेंज, -II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 3584/76-77 :—ग्रतः मुझे, एस० राज-  
रतनम्

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० एफ० सं० 217 और 218/1 बी चेट्टि-  
पायलम गांव, कोयम्बतूर तालुका में स्थित है (और इससे उपावदु  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, किनतुकुड़ा (आकुमेट 334/76) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, ता रीख 23-4-76  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाधत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें मारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातः :—

1. श्री आर० नटराजन और आर० रविचन्द्रन (अन्तरक)
2. श्री वी० के० वास्करन नायर; और श्रीमति टी० कमलम;  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

कोयम्बतूर तालुका, चेट्टियालयम गांव में :

1. एस० एफ० सं० 217 में 15.78 एकर की भूमि;
2. एस० एफ० सं० 218/1 बी० में 16.22 एकर की भूमि,
3. तीन शेष;
4. एक घर; और
5. सात शेष;

एस० राजरतनम्

सकाम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 8 दिसम्बर, 1976 ।

मोहर :

प्ररूप भाई० ई० एन० एस०—

1. श्रीमति पी० सुन्दराम्बाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. कुमरन फरेंड्रेम मिल्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 8 दिसम्बर, 1976

निवेद सं० 3585/76-77—यतः मुझे एस० राजरतनम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12 (भाग) विट्ठलवास सेट स्ट्रीट, वार्ड सं० 23, तिरुपूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, तिरुपूर 'डाकु-मेट 423/76 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, एप्रैल 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन दा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितरणों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितरणों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्युक्तकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुपूर, वार्ड सं० 23, विट्ठलदास सेट स्ट्रीट, डोर सं० 12 में 2951 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ) (टी० एस० सं० 321)।

एस० राजरतनम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 8 दिसम्बर, 1976।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमति पी० सुन्दराम्बाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ग

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

निवेश सं० 3585/76-77—अतः ममे एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12 (भाग), है जो विट्ल दास सेट स्ट्रीट, तिरुपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुपूर डाक्युमेंट 483/76 मे, र्जारस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-4-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भृत की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. कुमरन परेंड ग्रेम मिल्स

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यविधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुपूर, वार्ड सं० 23, विट्लदास सेट स्ट्रीट, डोर सं० 12 में 5348 कुकुयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक : 8 दिसम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री वी० एम० मुनुसामि मुदलियार (अन्तरक) ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
आयलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निवेश सं० 3586/76-77—अतः मुझे, ए० राजरत्नम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास वरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० सं० 215/1, 216/2, 90/5, 215/2 और 216/1 बल्लमपट्टु (10.52 एकर की भूमि) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिदम्बरम "डाकुमेंट 429/76" में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-4-1976।

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वारसिक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपर्याता (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री वी० एम० मुनुसामि मुदलियार (अन्तरक) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रबालू की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यवितयों पर सूचना की सामील में 30 दिन की इक्षित, जो भी इक्षित द्वाद भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम स्वितयों में से यि सी व्यक्तिस द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रबालू की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी इत्य ध्यवित द्वारा, अधीक्षताकरी के पास स्थिति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

चितम्बरम तालुका, बल्लमपट्टु, एस० सं० 215/1, 216/2, 90/5, 215/2 और 216/1 में 10.52 एकर की भूमि और दोर सं० 4-11, 4-11ए और 4-11 बी।

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 14 दिसम्बर, 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री पी० पी० मोहम्मद इब्राहीम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास-600 006, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 3591/76-77—अतः मुझे, एस० राजरतनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 35, आराया स्ट्रीट, मायूरम टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I, मायूरम (डाकुमेंट 269/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 24-4-1976

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिपल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्णाम—

2. श्रीमति सहायता विधि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत सम्पत्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मायूरम टाउन, पट्टमंगलम आराया स्ट्रीट, डोर सं० 35 में भूमि और मकान।

एस० राजरतनम  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 14 दिसम्बर, 1976।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

1. श्री टी० एस० सुन्दर ओदुवार और आदी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 31/मई/76-77—अतः मुझे, जी० रामनातन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 105, 106 और 106ए है, जो गुरुकल स्ट्रीट, तिरुचेंगोडु, में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, तिरुचेंगोडु (पत्र सं० 779/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-5-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित भी गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

7-406 GI/76

2. श्री एम० रंगनातन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुचेंगोडु, गुरुकल स्ट्रीट डोर सं० 105, 106 और 106ए में 5270 स्क्युर फीट की भूमि में आदा (अभिष्ट) भाग (मकान के साथ)। (आदा भाग)।

जी० रामनातन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-१, मद्रास

तारीख : 21 दिसम्बर, 1976।

मोहर :

प्रस्तुति ग्राही ३० दी० एन० एस०

1. श्रीके० रामसामि गुल्लर

(अन्तरिक्ष)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, मद्रास

मद्रास, विनांक 21 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 38/मई/76—अतः मुझे जी० रामनाथन  
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ,  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 163/ है, जो दादागापट्टीगांव सेलम  
जिल्ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्र  
सं० 1351/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 6 मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्रीमति पदमावती ग्राममाल

(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

प्रत्यक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, दादागापट्टी गांव ग्राम० सं० सं० 163/ 1 म  
1. 99 एकर खेती की भूमि और ग्रादी ।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-१, मद्रास

तारीख : 21 दिसम्बर, 1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एस० जी० जयसिंह राजा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 विसम्बर 1976

मिदेश सं० 52/मई/76-77—अतः मृते जी० रामनाथन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि  
स्थाष्टर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 674, 675, 676, 677, 678, 669, 689/1,  
815, 440/1, 440/3, 437 है, जो सेम्मरिक्कुलम गांव में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, तलकुडि (पत्र सं० 371/76) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
मई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मृते यह विषयास करने का कारण  
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त प्रधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब उक्त प्रधिनियम, की धारा 269 ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की  
उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री पी० एल० मुरुगप्पन चेट्टीयार (अन्तरिती)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त तथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

तिरुचन्तूर तालुक, सेम्मारकलम गांव एस० सं० 674 (0.41  
एकड़), 675 (0.76 एकड़), 676 (0.008 एकड़),  
677 (0.21 एकड़), 678 (0.11 एकड़), 669 (0.24  
एकड़), 689/1, (0.86 एकड़), 815 (0.91 एकड़);  
440/1 (2.29 एकड़), 440/3 (0.43 एकड़) श्रीर 437  
(0.90 एकड़) में 7.20 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र-I, मद्रास

तारीख : 21-12-76।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 63/मर्ह०/76-77:—यतः मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 15, हारीटन रोड मद्रास 31 है जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र सं० 2598/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, धारा 269-घ के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम, धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जे० एच० तारापुर  
2. श्री के० रामेशन

(अन्तरक)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 31, हारीटन रोड डोर सं० 15 प्लाट एल० (आर० एस० सं० 324) में 3 ग्रॅन्ड और 270 स्कुयर फीट की खाली भूमि।

जी० रामनाथन  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन थोल-1, मद्रास

तारीख : 21 दिसम्बर, 1976  
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धोक्ता, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्टी०/भोपाल 76-77/767—  
अतः मुझे वी० के० सिन्हाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,और जिसकी सं० भूमि व बिल्डिंग है, जो बड़वाह में स्थित है (और  
इससे उपांचाल श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़वाह में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 6-5-76  
को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्णा नन्दलाल महाजन मेर्निंग पार्टनर फर्म  
भम्पाल हीरा लाल एंड कम्पनी, बड़वाह। (अन्तरक)
2. मेसर्स तुलसीदास रामनाथ खण्डेलवाल एंड संस स्थित  
जय स्थम्भ के पास, बड़वाह। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग तथा भूमि क्षेत्रफल 13800 वर्ग फिट स्थित जय  
स्थम्भ के पास इन्वॉर खण्डवा रोड, बड़वाह।

वि० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 16 दिसम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० इस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 76-77/768—  
अतः, मुझे थी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो बड़वाह में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी  
के कार्यालय बड़वाह में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 29-5-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थतः :—

1. (1) श्री जसवन्त सिंह (2) श्री किशोर सिंह, (3) श्री  
विजय सिंह (4) श्रीमति रूप कुंवर बाई, सभी निवासी कस्बा,  
बड़वाह ।  
(अन्तरक)

2. श्री भूरे लाल पुत्र श्री कैशवजी जाठ निवासी जय प्रम्भे  
ट्रांसपोर्ट सर्विस के पास, बड़वाह ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमृत्सूची

भूमि 2809 हैक्टेयर स्थित "जय टाकीज" के पास बड़वाह ।

वि० के० सिन्हा  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 16-12-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल  
भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्षी०/भोपाल 76-77/769—

प्रतः मुझे, वी० के० सिन्हा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि व बिल्डिंग है, जो मुशर ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 25-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति बिलकिस अब्दुल हकीम खापलि स्व० जास्टिस  
अब्दुल हकीम खा०, गुलमोहर, मुशर, ग्वालियर-6। (अन्तरक)।
2. रोमन कैथोलिक डायरेंस आफ जांसी द्वारा फादर रोजर-  
फार रोमन कैथोलिक डायरेंस आफ जांसी। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि तथा बिल्डिंग जो कि गुलमोहर बंगले का हिस्सा है, अनु-  
निसिपल नं० 1/452, वाडे नं० 8, स्थित गवर्मेंट मेटेरिटी हाउस के  
पास, मुशर ग्वालियर ।

वि० के० सिन्हा  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 16-12-76

मोहर :

प्रश्नपत्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 76-77/770—

अतः मुझे बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', वहा गया है), की धारा 269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, जो भोपाल में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-५-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कभ के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किथा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादा:—

1. सिन्हा को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० द्वारा श्री गोपीचन्द्र नेमलदाम तनवानी निवासी-न्यू सिधी कालोनी, भोपाल।  
(अन्तरक)

2. श्री वासुदेव श्रार० मन्दीरसा पुत्र श्री रामदास निवासी 14, सिधी कालोनी, बैरासिया रोड, भोपाल, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि प्लॉट नं० 37-ए, सिधी कालोनी, बैरासिया-रोड, भोपाल।

वि० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 16-12-76  
मोहर :

प्रस्तुत आई० डी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन अंग्रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

निवेश सं० आई० डी० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/771-  
अतः मुझे वी० के० मिन्हा०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से निम्ने दृष्टमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-406GI/76

1. श्री गेंदालाल जी जी० मोदी अविभाजित हिन्दू परिवार द्वारा कर्ता श्री महेंद्र कुमार मोदी पुत्र श्री गेंदालाल जी मोदी निवासी 24, एम० जी० रोड, इन्दौर । (अन्तरक)

2. मेसर्म महेंद्र गेंड्र कम्पनी द्वारा पार्टनर श्री मति सज्जन-कुमारी मोदी पत्नि श्री गेंदालाल जी मोदी, निवासी 24, एम० जी० रोड, इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्रान्तिप्रयोग :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसंधान

भूमि स्थित 24, एम० जी० रोड, इन्दौर ।

विं० के० मिन्हा०  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 16 दिसम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप श्राई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/772—  
अतः मुझे वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख,  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो इन्दौर में स्थित है  
(और इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्री-  
कृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
8-6-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वा दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृगे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, वा अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

1. श्री महेश चन्द्र गुप्ता पुत्र श्री बाबू लाल जी गुप्ता निवासी  
122, जावरा कम्पाउन्ड, इंदौर।  
(अन्तरक)

2. ग्रीन पार्क हाउसिंग सोसायटी, 357, जवाहर भार्ग,  
इंदौर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वा पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ हासा, जो इस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नं० 253/1, 253/2, 254, 256, 257 तथा  
258 स्थित ग्राम तेजपुर गढ़वाड़ी तह० व जिला इंदौर।

वी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 16-12-76

मोहर :

प्रख्याप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल  
भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/773—  
अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने वा कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि व बिल्डिंग है, जो इंदौर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 7-6-76  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
दृष्टिकोण से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, वे अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कर्मी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति विमला देवी पन्नि श्री सुरेश भद्र गुप्ता निवासी  
122, जावरा कम्पाउन्ड, इंदौर ।

(अन्तरक)

2. श्रीन पांक हार्तासिंग को० आ० सोसायटी, 357, जवाहर  
मार्ग, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किय जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण** :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अमृसूची

भमि तथा बिल्डिंग स्थित प्लाट बियरिंग मवैं न० 8/4, 9 तथा  
10 क्षेत्रफल 1.90 एकड़ स्थित ग्राम तेजपुर गडबाडी तह० व  
जिला इंदौर ।

वि० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 16-12-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन थेट्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 16 दिसम्बर 1976

निदेश स० आई० ए० सी० एव्वी/भोपाल 76-77/774—  
अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है और  
और जिसकी सं० भूमि है, जो इंदौर में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, 6-6-76 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उवत अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उवत अधिनियम, की धारा 269-ग के—  
अनुसरण में, मैं 'उवत अधिनियम,' की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

1. श्री रमेश चन्द्र गुप्ता पुत्र श्री बाबू लाल जी गुप्ता निवासी  
123, जावरा-कम्पाउन्ड, इंदौर। (अन्तरक)

2. श्रीन पार्क हाउसिंग को० आ० सोसायटी, 357, जवाहर  
मार्ग, इंदौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उवत  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विवारण संव० 259/1, तथा 260/1, क्षेत्रफल  
5.84 एकड़ भूमि स्थित ग्राम तेजपुर गङ्गबाड़ी तह० व जिला  
इंदौर।

वि० कु० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 16-12-1976।

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एकवी०/भोपाल/76-77/775—  
अतः मुझे, वी० के० सिन्हाप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि है, जो हृदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, हृदौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 6-6-76को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिम की गई है और मुझ यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. श्रीमति चम्पा वाई पत्नि श्री बाबू नाल जी गुप्ता निवासी  
122, जावरा कम्पाउन्ड, हृदौर।  
(अन्तरक)2. ग्रीन पार्क हाउसिंग को० आ० सोसायटी, 357, जवाहर  
मार्ग, हृदौर।  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित आक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।उपष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि विवरण सर्वे नं० 251/1, 252 तथा 269 क्षेत्रफल  
10. 24 एकड़ स्थित ग्राम तेजपुर गड़बाड़ी तह० व जिला हृदौर।वि० कु० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 16-12-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एम०----

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/776-  
अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ध  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का वारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि व बिल्डिंग है, जो खण्डवा में स्थित है (और  
इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय खण्डवा में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,  
1908 (108 का 16) के अधीन 21-6-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो  
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-  
नार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डी मोटर एंड जनरल फाइनेंस लि०, एम० जी० एफ०  
हाऊस नं० 17-बी, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-1, द्वारा ज्वार्हट  
मेनेजिंग डायरेक्टर।  
(अन्तरक)

2. तिसपति सेविंग प्रा० लि० एम० जी० रोड, खण्डवा द्वारा  
डायरेक्टर (1) श्री डी० पी० अग्रवाल, (2) श्री निकुंज  
बिहारी लाल अग्रवाल (3) श्री तरुन कुमार नागदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन वे सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रह्म  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रायित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति विवरिंग नं० 389 स्थित कुनबी, खण्डवा, वेस्ट-  
निमान।

वि० कु० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 16 दिसम्बर, 1976  
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/777-  
अतः मुझे बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी स० भूमि तथा मकान है, जो सिवनी में स्थित है (अब  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय भिवनी में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-10-76 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री टी० नयार बहमन जी ठेकेदार भिवनी ।
- (2) श्री जाल बहमन जी पारसी निवासी रुहनम बाग  
मायखला ब्रह्मवार द्वारा मुख्यार आमदानीया ।
- (3) श्री नारी बहमन जी
- (4) श्री दान्व बहमन जी, मधी निवासी भिवनी ।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार पुव श्री जमना प्रमाद अग्रवाल निवासी-  
नेहरू रोड, भिवनी ।  
(अन्तरिनी) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

मकान तथा भूमि, मकान नं० 57 (नया) 167/5 (पुराना)  
प्लाट नं० 76/1, 76/4, स्थित भिवनी ।

वि० के० मिन्हा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज भोपाल,

तारीख : 20-12-476

मोहर :

प्ररूप आर्ड० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 18 दिसम्बर 1976

निदेश मं० 33/76—77/1 प० मी० (प०/आर०)/वी०  
बी० एम० आर० :—यतः मुझे अमरेंद्र नाथ मिस  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन  
मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर  
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० 2732 है, जो बारिपदा में स्थित है (और  
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बारिपदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-7-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी  
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) उक्त रूप से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री (1) मगन लाल कटा (2) प्रफुल कुमार हिंग  
(अन्तरक)  
(अन्तरिक्षी) ।
2. श्री बासुदेव माहु  
(1) विभिन्न कुमार नायक  
(2) लाल चान्द अग्रवाला  
(3) सेक जोहर ब्रह्म  
(4) मत्यबादी महान्ती  
(5) मुरेंद्र चन्द्र बारिक  
(6) मन मोहन महान्ती  
(7) श्रीमति रमणी देवी  
(8) चाती राम अग्रवाला  
(9) दिन बन्धु महान्ती  
(10) बलभद्र साहा  
(11) पिरमल अग्रवाला  
(12) श्रीमति लक्ष्मी देवी—किरायेदार ।  
(वह व्यक्ति जिसकी अधिभोग में संपत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान बारिपदा में थित है। वह जमिन बारिपदा  
सब्डजिस्ट्रार आफिस में 5-7-76 टारिख में रजिस्ट्रार हुआ; जिसकी  
डाकु मेंट नं 4538 है।

प्रमरेंद्र नाथ मिश्र,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज भुवनेश्वर

तारीख : 18 दिसम्बर 1976  
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 169/76-77/ए सी क्य०—अतः मुझे, पी०  
सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थाष्ठार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

मैं जिसकी सं० 309, 177, 131, 168, 311 और 253 है, जो चिकमलगूर जिले के बालूर ग्राम में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय मूडिगेर डाकुमेंट नंबर 16 के अंतर्गत रजिस्ट्रीकूत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिनियम 12-4-1976 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत्त, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

9-406GI/76

1. (1) डा० आनन्द नरोन्हा, (2) प्रणोक नोरोन्हा (3) प्ररुण  
चालंस नोरोन्हा (4) अनिल नोरोन्हा (5) श्रीमति प्रमृत पी०  
एम० डी० सौंका (6) कुमारी अनिता अनंतम नोरोन्हा प्लांटर्स,  
महामने एस्टेट, बालूर ग्राम, मूडिगेरे, तालूक, चिकमगलूर जिला।  
(अन्तरक)

2. श्री जे० एन० मालाना प्लांटर, हेगुड्लू एस्टेट, मूडिगेरे  
तालूक, चिकमगलूर, जिला।  
(अन्तरिती)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति होता,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थाष्ठार सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

चिकमगलूर जिला मूडिगेरे तालूक, बालूर ग्राम में स्थित  
काफी एस्टेट जिसका विवरण इस प्रकार है:—

## सर्वे नं० एकड़ गढे

|     |       |        |
|-----|-------|--------|
| 309 | 69—29 | काफी   |
| 177 | 1—17  | खेत,   |
| 131 | 2—01  | काफी   |
| 168 | 5—05  | इलायची |
| 311 | 11—08 | इलायची |
| 253 | 7—00  | काफी   |

पी० सत्यनारायण राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 16 दिसम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप आईटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

सं० आर० प० मी० 207/76-77—अतः मुझे के० एम० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), फीधारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थाष्ट्रर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक जे० सर्वे नं० 141-142, 143 है, जो शेकपेट, ताउली चौकी, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-6-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(घ) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्;

1. श्रीमती अमनुलग्नीम पत्नी स्वर्गीय नवाब वहीद मुनवर न्नान—मुनीर न्नान नं० 9-4-86 ताउली चौकी शेकपेट हैदराबाद। (अंतरित)

2. दी० आडियल कोशापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि०, 3-5-805/2/बी हैदरगुडा, हैदराबाद—उसका प्रानिनिधि जोसफ राज, घर नं० 10-3-305/ग/2 मामाब टेंक, हैदराबाद। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाष्ट्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभायित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

तमाम जमीन पैमाइश एक एकर 34 गुंटास और 23 वर्ग मज जे ब्लाक में सर्वे नं० 141-142 और 143 में है शेकपेट गैव ताउली चौकी हैदराबाद—रजिस्ट्री नं० 954/76 उप-रजिस्ट्रार कार्यालय द्वेराबाद- हैदराबाद में 21-6-76 के दिन और इस प्रकार घिरा है।

दक्षिण—सड़क और पार्क।

उत्तर—झुली जमीन और सड़क।

पूर्व—ब्लाक-ई।

पश्चिम—मिलट्री मस्तक।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 20-12-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, 4/14क, आसफाली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1229/76-77—  
अतः मुझे, एम० एस० गोयलाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० एफ० 28 है तथा जो बाली नगर,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूली में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, जून 1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने  
में सुविधा के लिए;अतः, श्रव उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. श्री ओम प्रकाश पूर्व श्री भोला राम, निवासी  
4/37, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)2. श्री ओम प्रकाश गुप्ता पूर्व श्री दीवान चन्द गुप्ता,  
निवासी 26/8 रमेश नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका नं० एफ० 28 है और  
140 वर्ग गज भूमि पर बना है जोक बाली नगर, नई दिल्ली  
में निम्न प्रकार से स्थित है:—

उत्तर: सड़क।

दक्षिण: सर्विस लेन।

पूर्व: प्लाट नं० एफ० 29 पर बनी जायदाद।

पश्चिम: प्लाट नं० एफ० 27 पर बनी जायदाद।

एम० एस० गोयला  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 22 दिसम्बर, 1976

मोहर:

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 13th December 1976

No. F.22/77-SCA(G).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to decide, as a special case, that the Court and its Offices shall remain closed on Friday, the 4th February 1977 in Commemoration of the Sixth Birth Centenary of Guru Ravi Das.

By Order

S. K. GUPTA,  
Registrar (Admn.)

New Delhi, the 16th December 1976

No. F.6/76-SCA(1).—Shri N. C. Janjani, Section Officer, Supreme Court of India retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of 14th December, 1976.

R. SUBBA RAO,  
Deputy Registrar (Admn.)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 17th December 1976

No. A.11013/2/74-Admn.II.—In continuation of the Union Public Service Commission notification of even number dated 18th October 1976, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following permanent Section Officers/Assistants of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate, on an *ad hoc* basis, as Section Officer (Special) in the Commission's office, for a further period of three months with effect from 1st December 1976 or until further orders, whichever is earlier.

## Sl No., Name and Post held in CSS cadre

1. Shri V. S. Riat—Section Officer.
2. Shri B. S. Jagopota—Section Officer.
3. Shri J. P. Goel—Section Officer.
4. Shri R. N. Khurana—Section Officer.
5. Shri S. Srinivasan—Section Officer.
6. Shri S. K. Arora—Assistant.
7. Shri G. V. Mathur—Assistant.

2. The appointment of the aforesaid officers as Section Officer (Special) will be on deputation and their pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E.III/60, dated 4th May 1961 as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secy.  
for Secy.  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 8th December 1976

No. A.32014/1/76-Admn.III(1).—The President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 8th November 1976 to 23rd December 1976 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(2).—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 1st December 1976 to 15th January 1977 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secy.  
(Incharge of Administration),  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 9th December 1976

No. P/132-Admn.I.—Consequent upon his reversion from the grade of Section Officer of CSS in the Cadre of Union Public Service Commission with effect from 15th November 1976 (F.N.) Shri M. P. Jain, a permanent officer of Grade A of CSSS, assumed charge as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same Cadre with effect from 15th November 1976 (F.N.).

The 10th December 1976

No. A.32013/3/76-Admn.I.—In continuation of this Office Notification No. A.32013/2/76-Admn.I, dated 3rd September 1976, the President is pleased to appoint Shri Gyan Prakash, an officer of the Indian Economic Service as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a further period of 3 months with effect from 9th November 1976 to 8th February 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32013/3/76-Admn.I.—In continuation of this Office Notification of even number dated 3rd September 1976, the President is pleased to appoint Shri M. S. Thanvi, an officer of the Indian Revenue Service (Income Tax) as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a further period of 3 months with effect from 9th November 1976 to 8th February 1977 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secy.  
Union Public Service Commission

## CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

## ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 29th November 1976

No. A-11/39/76.—Shri Mani K. Sohal, Appraiser, New Custom House, Bombay is appointed to officiate as Section Officer on deputation in the Office of Director General of Revenue and Intelligence and Investigation with effect from 10th November 1976 and until further orders.

S. B. JAIN,  
Director

New Delhi, the 10th December 1976

No. A-11/41/76.—The following Assistants have been appointed to officiate as Enforcement Officers with effect from the date of their charge assumption of charge and until further orders.

Their places of postings and dates of assumption of charge are indicated against each :—

| Name                  | Place of posting | Date of assumption of charge |
|-----------------------|------------------|------------------------------|
| 1. Shri K. S. Achutha | Bombay           | 12.11.1976                   |
| 2. Shri Gaya Prasad   | Calcutta         | 26.12.1976                   |

J. N. ARORA,  
Deputy Director (Admn.)

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th December 1976

No. PF/S-52/65-Ad.V.—On his attaining the age of superannuation, Shri S. P. Seth, Deputy Legal Adviser, C.B.I. Head Office, New Delhi relinquished charge of his office on the afternoon of 30th November 1976.

The 17th December 1976

No. A-19036/9/75-Ad.V.—Shri L. N. Misra, Deputy Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Bhubaneswar Branch, relinquished charge of the office of the Deputy Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Bhubaneswar Branch on the afternoon of 6th December 1976.

His services were placed at the disposal of the State Government of Orissa.

No. A-19036/18/76-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation, Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri M. V. Pandya, an Officer of Gujarat State Police, as officiating Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, on deputation, with effect from the forenoon of 1st December 1976 until further orders.

P. S. NIGAM,  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 17th December 1976

No. O.H-5/76-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri B. K. Jha, an I.P.S. officer of Gujarat Cadre as D.I.G. in the C.R.P. Force.

2. Shri Jha took over charge of the post of DIG CRPF Patna on the forenoon of 20th November 1976.

A. K. BANDYOPADHYAY,  
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 15th November 1976

No. E-32015(2)/1/76-Pers.—The President is pleased to appoint Lt. Col. M. C. Singh as Group Commandant, CISF, Patna on re-employment with effect from the forenoon of 18th October 1976, until further orders.

The 16th December 1976

No. E-16013(1)/4/76-Pers.—The President is pleased to appoint Shri Hans Raj Swan, IPS (Haryana-1957), to the post of Deputy Inspector General, Central Industrial Security Force, Southern Zone, Madras with Headquarters at New Delhi with effect from the afternoon of 9th December 1976 vice Shri I. M. Mahajan, IPS (M&T-1953) who ceased to look after the work of the said post with effect from the afternoon of the same date.

L. S. BISHT  
Inspector General

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 17th December 1976

No. 10/19/75-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated the 30th August 1976, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri A. K. Biswas as Research Officer in the office of the Registrar General, India beyond 31st August 1976 upto 5th November 1976.

The headquarters of Shri Biswas continued to be at New Delhi.

No. P/R(46)-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 30th August 1976, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri V. P. Rustagi as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India beyond 31st August 1976 upto 5th November 1976.

The headquarters of Shri Rustagi continued to be at New Delhi.

BADRI NATH,  
Dy. Registrar General, India &  
*ex-officio* Dy. Secy.  
to the Govt. of India

## MINISTRY OF LABOUR

## LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 8th January 1977

No. 23/3/76-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960 = 100 increased by Two points to reach 306 (Three hundred and Six) during the month of November, 1976. Converted to Base : 1949 = 100 the Index for the month of November, 1976 works out to 372 (Three hundred and seventy two).

S. RAY

Deputy Director

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR  
GENERAL OF INDIA

## (COMMERCIAL AUDIT WING)

New Delhi, the 16th December 1976

No. 1135-C.A.I./47-69.—On his attaining the age of fifty years Shri K. N. Ramakrishna, a permanent Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Member Audit Board and *Ex-officio* Director of Commercial Audit, Bangalore retired from Government service voluntarily under F.R. 56 (K) with effect from 2nd December 1976 (Afternoon).

The 21st December 1976

No. 1146-C.A.I./367-69.—On his attaining the age of fifty years, Shri H. A. Gopala Rao, a permanent Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Member Audit Board & *Ex-officio* Director of Commercial Audit, Bangalore, retired from Government service voluntarily under F.R. 56 (K) with effect from 20th September 1976 (Afternoon).

S. D. BHATTACHARYA,  
Dy. Director (Commercial)

OFFICE OF THE  
ACCOUNTANT GENERAL, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 16th December 1976

No. Admin.I/5-5/Promotion/76-77/O.O.1003/2472, dated 3-12-1976.—The Accountant General hereby appoints the following permanent Section Officers of this office, to officiate as Accounts Officers in the time scale of Rs. 840—1200, with

effect from the afternoon of 30th November 1976, until further orders :—

*Name*

1. Shri O. P. Garg
2. Shri A. R. Gurwara
3. Shri Bhagwati Charan Dass
4. Shri M. L. Sharma
5. Shri B. N. Nag

M. L. SOBTI,  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
KARNATAKA

Bangalore-560 001, the 15th December 1976

SUB : Voluntary retirement from service

No. HS I/A4/76-77/698.—With reference to his letter dated the 23rd September 1976, requesting permission for voluntary retirement from service under F.R. 56(K), Shri L. Abraham, Permanent Accounts Officer, is permitted to retire with effect from the 23rd December 1976 F.N.

The 16th December 1976

No. ESI/A4/76-77/697.—Shri G. Shanmukha, Officiating Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Karnataka, Bangalore is appointed in a substantive capacity in the grade of Accounts Officer in the same office with effect from 1st December 1976.

S. C. BANERJEE,  
Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
UTTAR PRADESH-I

Allahabad, the 16th December 1976

O.O. No. Admn.I/11-144(xii)/327.—The Accountant General, U.P.I, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this Office until further orders with effect from the dates noted against each :—

- (1) Shri Hira Lal Srivastava—1-12-1976.
- (2) Shri Shriniwas Agrawal—4-12-1976.
- (3) Shri Shivendra Kumar Gupta—6-12-1976.

U. RAMACHANDRA RAO,  
Sr. Deputy Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,  
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 13th December 1976

No. Admn.I/553.—The Accountant General, Madhya Pradesh-I, has been pleased to accord permanent promotion to Shri R. C. Raizada (02/0212) Section Officer as Accounts Officer in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 w.e.f. 22nd September 1976 Forenoon, i.e. the date from which his junior Shri K. M. L. Agarwal Section Officer has been promoted as Accounts Officer, in this office.

Sd. ILLEGIBLE  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
ANDHRA PRADESH-I,

Hyderabad, the 17th December 1976

No. F.B.I/8-312/76-77/365.—Shri H. Ramachandra Rao, Accounts Officer, Office of the Accountant General, A.P.I/ A.P.II, Hyderabad, has voluntarily retired from service w.e.f. 1st December 1976 F.N.

S. R. MUKHERJEE,  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE  
CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 14th December 1976

No. 68018(2)/71-AN-II.—The President is pleased to appoint the undermentioned Permanent Accounts Officers/ A.C.D.A. (Ty.) to officiate in the Junior Time Scale of the Regular Cadre of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates shown against them, until further orders, under "NBR".

1. Shri S. Sankaran, AO/ACDA(Ty.)—14-6-1976.
2. Shri R. P. Kakkar, Pt. A.O.—14-6-1976.
3. Shri A. K. Ghosh, Pt. A.O.—14-6-1976.

P. K. RAMANUJAM  
Additional Controller General of Defence Accounts  
(AN)

MINISTRY OF DEFENCE  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE  
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-16, the 13th December 1976

No. 95/76/G.—The President is pleased to confirm Shri T. V. Chidambaram, Tempy. S.O. Gr. I in the grade of DADGOF/Dy. Manager with effect from 1st June 1973.

M. P. R. PILLAI,  
Asstt. Director General, Ordnance Fys.

MINISTRY OF COMMERCE  
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS AND EXPORTS  
New Delhi, the 6th December 1976

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/890/70-Admn(G)/7674.—The President is pleased to appoint Shri L. Prasad, permanent in the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports in this office to officiate in Grade I of that service for the period from 8-11-1976 to 31-12-1976 or till regular arrangements are made whichever is earlier.

2. The President is also pleased to appoint Shri Prasad as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the office of Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

The 17th December 1976

No. 6/533/58-Admn(G)/7918.—The President is pleased to appoint Shri A. Ramachandran, an officer officiating in the

Selection Grade of the CSS and Dy. Chief Controller of Imports and Exports as Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office in an officiating capacity for a further period of three months with effect from 1st November 1976 or till the vacancy is available, whichever is earlier.

No. 6/1149/76-Admn(G), 7943.—The President is pleased to appoint Shri Swaran Singh, a permanent Stenographer of Grade II of the CSSS working in this office to officiate as Senior Personal Assistant (Grade-I) of the CSSS in this office with effect from the forenoon of the 7th August 1976 on *ad hoc* basis for a period of four months or till he is replaced by a regular incumbent of the post, whichever is earlier.

2. This supersedes this office Notification No. 6/1149/76-Admn(G) dated 7-10-76.

The 21st December 1976

No. 6/1162/76-Admn(G)/8114.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Soni, a permanent Grade 'C' Stenographer in the Ministry of Commerce as Stenographer Grade 'B' in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi purely on *ad hoc* basis with effect from 26-11-1976 to 28-2-1977 or till he is replaced by a regular incumbent of the post, whichever be the earlier.

No. 6/155/54-Admn(G)/8143.—The President is pleased to appoint Shri O. N. Anand, Dy. Chief Controller of Imports

and Exports (Non-CSS) as Jt. Chief Controller of Imports and Exports, in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi purely on *ad hoc* and temporary basis for a period from 27-11-76 to 31-1-77.

A. S. GILL,  
Chief Controller of Imports & Exports

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 14th December 1976

No. 18(1)/73-76/CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by sub-clause (d) of clause 2 of the Woollen Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 7(1)63—Control, dated the 5th May, 1964, namely :—

In the Table appended to the said Notification, for the existing entry under column No. 3, against Serial No. 3, the following shall be substituted, namely :—

"Officers not below the rank of an Assistant Director or an Assistant Enforcement Officer and Technical Investigators and Enforcement Inspectors in the Office of the Textile Commissioner at Headquarters and in the Regional Offices."

The 15th December 1976

No. 5(2)/76-CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 31 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and Clause 10 of the Artsilk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962, I hereby direct that every producer having a spinning plant and every manufacturer of art silk yarn shall submit to the Textile Commissioner, Cotton Industry Branch, Bombay true and accurate information in the Proforma appended below with respect to the import and consumption of Polyester fibre imported in accordance with the Public Notices No. 68-ITC(PN)/76, dated the 24th July, 1976, No. 83-ITC(PN)/76, dated the 20th August, 1976 and No. 118-ITC(PN)/76 dated the 22nd November, 1976 issued by the Government of India, Ministry of Commerce :—

I. relating to the period ending on the last day of November, 1976 on or before 24th December, 1976 and

II. relating to the period beginning from the month of December 1976 on or before the 10th day of the succeeding month.

#### PROFORMA

| Name of the manufacturer/producer<br>Address. |               |                  |   | Details of Import Licence<br>Value in Rs.      Quantity in Kgs. |   |  |         |
|---|---------------|------------------|---|---|---|--|---------|
| 1   | 2             | 3                | 4   | 5*  | 6*  | 7*   | 8       |
| Date of opening of L.C.                       | Value of L.C. | Quantity covered | Opening Balance of imported polyester fibre | Total imports of polyester fibre during the month               | Consumption of Polyester fibre during the month | Balance at the end of the month of polyester fibre | Remarks |

\*Note—In respect of return to be furnished by 24-12-1976 the information required in columns 5, 6 and 7 above should cover the period beginning from the

time of import of Polyester Fibre to the end of November, 1976.

G. S. BHARGAVA,  
Joint Textile Commissioner

#### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 14th December 1976

No. 50011/23/76-DCH.—The Development Commissioner for Handlooms is pleased to appoint with effect from the fore-

noon of the 20th September, 1976 and until further orders Shri Mahavir Chand Singhvi as Assistant Director, Gr. II (N.T.) in the Weavers' Service Centre, Bombay.

(Kum.) R. SAHNI,  
Deputy Development Commissioner of Handlooms.

## DEPARTMENT OF SUPPLY

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

New Delhi, the 30th November 1976

No. A-17011/112/76-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri P. N. Gulati, permanent Examiner of Stores (Engg.) in the NI Circle, New Delhi to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle under this Directorate General w.e.f. the forenoon of 9th November, 1976 until further orders.

The 7th December 1976

No. A/17011(108)/76-A.6.—The President has been pleased to appoint Shri S. C. Chadha, a candidate nominated on the results of the Engineering Services Examination 1975 to officiate in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service (Class I) w.e.f. 22-11-76, until further orders.

Shri Chadha, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection Madras from the forenoon of 22-11-76.

SURYA PRAKASH,  
Deputy Director (Administration),  
for Director General of Supplies & Disposals.

MINISTRY OF STEEL & MINES  
(DEPARTMENT OF STEEL)  
OFFICE OF THE COMMISSIONER OF PAYMENTS  
(IISCO)

Calcutta-20, the 3rd December 1976

No. IISCO (Compensation/Policy) (.)—In exercise of the powers conferred upon me as Commissioner of Payments under Section 5(2) of the Indian Iron and Steel Company (Acquisition of Shares) Act, 1976 (Central Act 89 of 1976), I hereby authorize Shri P. K. Ghosh, an Officer appointed by the Central Government, vide Department of Steel Notification dated 19th November, 1976 as endorsed to me in Ministry's No. Ind.II-8(67)/76 dated 19-11-1976 to discharge for and on my behalf, all or any of the powers vested in me as such Commissioner of Payments, as provided under sections 8 and 10 of the said Act.

No. IISCO (Compensation/Policy) (.)—In exercise of the powers conferred upon me as Commissioner of Payments under Section 5(2) of the Indian Iron and Steel Company (Acquisition of Shares) Act, 1976 (Central Act 89 of 1976), I hereby authorize Shri J. L. Deb, an officer appointed by the Central Government, vide Department of Steel Notification dated 19th November, 1976 as endorsed to me in Ministry's No. Ind.II-8(67)/76 dated 19-11-1976 to operate the account on my behalf as such Commissioner of Payments, as provided under section 6(2) of the said Act.

T. Ghosh,  
Commissioner of Payments.

(KHAN VIBHAG)  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA  
Calcutta-16, the 10th December 1976

No. 2181(HLJ)/19B.—Shri H. L. Jain, Senior Technical Assistant (Chemical), Geological Survey of India is appointed as Assistant Chemist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 19th July 1976, until further orders.

The 15th December 1976

No. 2181(MPC)/19B.—Shri M. P. Chachkar, M.Sc. is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the afternoon of 30th September, 1976, until further orders.

The 16th December 1976

No. 4/72/19A.—Shri T. R. Gupta received charge of the post of Assistant Stores Officer in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited, in the same capacity, from the afternoon of 30-9-76.

V. K. S. VARADAN, Dir. Gnl.

## INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 20th December 1976

No. A.19011(119)/70-Estt.A.—On his deputation to Coal India Limited as Deputy Superintendent of Geology, Shri K. P. Singh, permanent Junior Mining Geologist has relinquished the charge of the post of Junior Mining Geologist with effect from the afternoon of 14th December, 76.

L. C. RANDHIR, Administrative Officer  
for Controller.

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA  
INDIAN MUSEUM

Calcutta-700 016, the 1st December 1976

No. 18-19/68/Estt.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the Director, Anthropological Survey of India, is pleased to promote Shri Manomohan Das in the post of Publication Officer with effect from the forenoon of 19th November, 1976, until further orders.

C. T. THOMAS  
Senior Administrative Officer.

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY  
NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Calcutta-19, the 18th December 1976

No. 35-2/75-Estt.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Dr. S. K. Roy, permanent Senior Research Assistant is promoted to officiate in the post of Scientific Officer in the National Atlas Organisation, with effect from 18-12-76, until further orders.

S. P. DAS GUPTA, Director

## ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 16th December 1976

No. F.92-83/74-Estt./22931.—Shri Kypa Sudhakar, officiating Assistant Zoologist (Group 'B'), in the Headquarters office, Zoological Survey of India, Calcutta, resigned from his post with effect from 29-2-76 (AN) at his own volition.

The 18th December 1976

No. F.92-109/75-Estt./23231.—Smt. Namita Sen, Senior Librarian, Zoological Survey of India, is hereby appointed to officiate as Head Librarian (Group 'B') in the same office on an ad-hoc basis for a period of six months, with effect

from the 21st December, 1976 (FN) or till her regularisation whichever is earlier.

DR. S. KHERA,  
Joint Director-in-Charge,  
Zoological Survey of India.

**DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO**

New Delhi-1, the 16th December, 1976

No. 2/5/68-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri P. D. Achari, Accountant, All India Radio, Panaji to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Panaji on ad-hoc basis with effect from 1-12-76 (F.N.).

P. S. HERLE, Section Officer  
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING  
FILMS DIVISION**

Bombay-26, the 17th December 1976

No. A-12026/70/75-Est.I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri V. R. Peswani, Officiating Superintendent in the Films Division, Bombay, to officiate as Assistant Administrative Officer in the same office with effect from the forenoon of the 19th November, 1976 *vice* Shri M. Chandran Nair, Assistant Administrative Officer, appointed as Administrative Officer.

M. CHANDRAN NAIR,  
Administrative Officer  
for Chief Producer

**DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL  
PUBLICITY**

New Delhi, the 20th December 1976

No. A-31014/1/76-Est.II.—The Director of Advertising and Visual Publicity appoints Shri M. L. Mehra in substantive capacity in the post of Store Officer in this Directorate with effect from the 10th December, 1976.

R. DEVASAR,  
Deputy Director (Adm)  
for Director of Advertising and Visual Publicity

**DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES**

New Delhi, the 18th December 1976

No. 6-35/74-DC.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Dr. Vijay Kumar Madan, Associate Bio-Chemist in Central Drugs Laboratory Calcutta, with effect from the Afternoon of 30th November, 1976.

S. S. GOTHASKAR,  
Drugs Controller (India)  
for Director General of Health Services

New Delhi, the 23rd November 1976

No. A.12024/1/76(DS)Admn.I.—Consequent on the acceptance of her resignation, Dr. (Smt.) Manjeet Luther relinquished charge of the post of Dental Surgeon at the Safdarjung Hospital, New Delhi, on the afternoon of 16th October, 1976.

The 7th December 1976

No. A.31013/7/76(NICD)Admn.I.—The President is pleased to appoint the following persons in a substantive capacity to the permanent posts of Assistant Entomologist in the

10—406GI/76

National Institute of Communicable Diseases, Delhi, with effect from the dates noted against each—

| <i>S. No.</i> | <i>Name of Officer</i> | <i>Date</i> |
|---------------|------------------------|-------------|
| 1.            | Shri C. P. Vijayan     | —1-5-70.    |
| 2.            | Shri G. C. Joshi       | —22-3-72.   |
| 3.            | Shri B. N. Srivastava  | —22-3-72.   |
| 4.            | Shri Nawab Singh       | —22-3-72.   |

The 20th December 1976

No. 26-9/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Syed Tazeen Pasha to the post of Research Officer (Bio-Chemistry) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, with effect from the forenoon of 17th November, 1976, in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA,  
Deputy Director Administration

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION**

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION  
HEAD OFFICE

Faridabad, the 15th December 1976

No. F.1/40/71-AFI.—Shri S. P. Singh is hereby appointed substantively to the permanent post of Deputy Marketing Development Officer (now designated as Asst. Marketing Officer) in the Directorate of Marketing and Inspection w.e.f 21-11-62.

J. S. UPPAL,  
Agricultural Marketing Adviser

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
(PERSONNEL DIVISION)**

Bombay-400 085, the 18th December 1976

No. B./620/Accts/EG/2471.—In continuation of Notification No. B/620/Accts/EB/1741, dated September 6, 1976, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Shankar Vishnu Bhave, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in this Research Centre from August 1, 1976 to November 19, 1976 *against* leave vacancy.

S. RANGANATHAN,  
Dy. Establishment Officer

**MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT**

New Delhi-3, the 17th December 1976

No. E(I)03756.—Shri V. J. John, officiating Assistant Meteorologist, Meteorological Centre, Ahmedabad, under the office of the Director Regional Meteorological Centre Bombay, India Meteorological Department voluntarily retired from Government service, with effect from the afternoon of 30th September, 1976.

G. R. GUPTA,  
Meteorologist  
for Director General of Observatories.

New Delhi-3, the 20th December 1976

No. E(I)04381.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. G. Lele, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Sixty days with effect from the forenoon of 19-11-76 to 17-1-77.

Shri Lele, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(I)05131.—In continuation of this Department Notification No. E(I)05131, dated 1-11-76, the Director General of Observatories hereby appoints Shri S. R. Seshadri, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, to officiate as Assistant Meteorologist for a further period of 28 days with effect from the forenoon of 5-12-76 to 1-1-77.

Shri Seshadri, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(I)05393.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri H. M. Kumar, Prof. Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 16-10-76 to 12-1-1977.

Shri H. M. Kumar, Officiating Assistant Meteorologist has been transferred to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi, with effect from the forenoon of 16-10-76.

The 20th December 1976

No. E(I)05485.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. D. Kundra, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of sixty days with effect from the forenoon of the 2-12-76 to 30-1-77.

Shri Kundra, officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

M. R. N. MANIAN,  
Metorologist  
for Director General of Observatories

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 9th December 1976

No. A.38012/11/76 ES.—On attaining the age of superannuation, Shri Pearse Thomas, Senior Aircraft Inspector in the office of the Regional Director, Bombay Region, Bombay relinquished charge of his duties in the forenoon of the 1st November, 1976.

S. L. KHANDPUR,  
Assistant Director of Administration

#### OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay, the 15th December 1976

No. 1/416/76-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri T. K. Chowdhary, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch for the period from 20-9-76 to 30-10-76 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

H. L. MALHOTRA,  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM  
MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 17th December 1976

No. 16/82/71-ES1.S.I.—On completion of 5 years term of his deputation, the President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, has been pleased to replace the services of Shri H. S. Saxena, Asstt. Instructor, Northern Forest Rangers College at the disposal of the Government of Uttar Pradesh with effect from the afternoon of 5-11-1976.

P. R. K. BHATNAGAR,  
Kul Sachiv,  
Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya.

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Kanpur, the 22nd September 1976

No. 87/76.—Shri W. V. Hussain, Officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' formerly posted as Central Excise Division, Aligarh having been compulsorily retired under F.R. 56 (J) w.e. from 24-12-75 (AN), by giving him three months pay and allowances in lieu of notice vide order issued under endorsement C. No. II(3)Conft/61/75/HAC/Pt/3014, dated 20-12-75, handed over the charge of his post in the AN of 24-12-75 to Shri B. L. Soti, Supdt. C.E. Aligarh and retired from Government service w.e. from 24-12-75 (AN). He will remain on leave beyond the date of compulsory retirement upto 23-11-1977, and will get leave salary reduced by the amount of pension and pens on equivalent of other retirement benefits as provided in Rule 40(7)(a) of Central Civil Service (Leave) Rules, 1972 excepting for the period of leave which runs concurrently with the period for which pay and allowances have been paid in lieu of notice. For such period no leave salary is admissible.

This supersedes the earlier Notification No. 61/76 dated 14-5-76 issued under Endorsement C. No. II-250-Estt/73/22058 dated 15-5-76.

No. 88/76.—Shri N. S. Bhatnagar officiating as Superintendent, Central Excise, Group 'B' formerly posted at Central Excise, Ghaziabad-I Div. having been compulsorily retired under F.R.56 (J) w.e. from 26-10-75 (FN) by giving him three months pay and allowances in lieu of notice vide order issued under endorsement C. No. II(3) Conft/61/75/2643 dated 17-10-75, handed over the charge of his post in FN of 26-10-75 to Sri M. D. Choudhary Supdt. Central Excise G. Bad-I and retired from Government service w.e. from 26-10-75 (FN). He will remain on leave beyond the date of compulsory retirement upto 30-11-76, and will get leave salary reduced by the amount of pension and pension equivalent of other retirement benefits as provided in Rule 40(7)(a) of Central Civil Service (Leave) Rules, 1972 excepting for the period of leave which runs concurrently with the period for which pay and allowances have been paid in lieu of notice. For such period no leave salary is admissible.

This supersedes the earlier Notification No. 60/76 dated 14-5-76 issued under Endorsement C. No. II/156-Et/69/22058, dated 15-5-76.

No. 89/76.—Shri R. K. Bitta officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' formerly posted at IDO C.E. Ghaziabad-II having been compulsorily retired under F.R. 56 (J), w.e. from 22-12-75 (AN), by giving him three months pay and allowance in lieu of notice vide order issued under endorsement C. No. II(3)Conft/6175/HAC/Pt/3017 dated 20-12-75, handed over the charge of his post in the AN of 22-12-75 to Sri J. S. Gupta, Supdt. C.E. Ghaziabad-II and retired from Government service w.e. from 22-12-75 (AN). He will remain on leave beyond the date of compulsory retirement upto 31-12-76, and will get leave salary reduced by the amount of pension and pension equivalent of other retirement benefits as provided in Rule 40(7)(a) of Central Civil Service (Leave) Rules, 1972 excepting for the period of leave which runs concurrently with

the period for which pay and allowances have been paid in lieu of notice. For such period no leave salary is admissible.

This supersedes the earlier Notification No. 66/76, dated 17-5-76 issued under Endorsement C. No. II-503-Estt/62/Pt/24355 dated 20-5-76.

No. 90/76.—Shri D. N. Chaturvedi, officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' formerly posted at I Do Farrukhabad having been compulsorily retired under F.R. 56 (J) w.e. from 23-12-75 (AN), by giving him three months' pay and allowances in lieu of notice vide order issued under endorsement C. No. II(3)Conft61/75/HAC/Pt/3019 dated 20-12-75, handed over the charge of his post in the AN 23-12-75 to Sri Raghubar Dayal, Supdt., and retired from Government service w.e. from 23-12-75 (AN). He will remain on leave beyond the date of compulsory retirement upto 14-4-77 and will get leave salary reduced by the amount of pension and pension equivalent of other retirement benefits as provided in Rule 40(7)(a) of Central Civil Service (Leave) Rules, 1972 excepting for the period of leave which runs concurrently with the period for which pay and allowances have been paid in lieu of notice. For such period no leave salary is admissible.

This supersedes the earlier Notification No. 62/76 dated 14-5-76 issued under Endorsement C. No. II-252-Et/62/Pt/22058 dated 15-5-76.

K. S. DILIPSINHJI  
Collector  
Central Excise, Kanpur.

Shillong-793001, the 15th December 1976

No. 8/76.—Shri Sadananda Banikya, a permanent Inspector (S.G.), Customs Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Superintendent Group 'B' until further orders. Shri Banikya assumed charge as Superintendent Group 'B' Customs and Central Excise, Dhubri on 23-11-76 (F.N.)

K. S. SINHA  
Collector

#### CFNTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 17th December 1976

No. A-19012/558/75-Adm.V.—Consequent on his proceeding on foreign service with the Water and Power Development consultancy Services (India) Ltd., Shri D. K. Sharma, Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) relinquished charge of the post in the Central Water Commission on the forenoon of 29th October, 1976.

JASWANT SINGH,  
Under Secretary  
for Chairman, C.W. Commission.

#### OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 18th December 1976

No. 27/51/76-Ecix.—The President is pleased to appoint Shri J. J. S. Majithia, a nomine of the U.P.S.C. against the temporary post of Architect (G.C.S. Group A) in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 1300/- p.m. in the scale of Rs. 1100—50—1600 (plus usual allowances) w.e.f. 6th December, 1976 F.N. on the usual terms and conditions.

Shri Majithia is placed on probation for period of two years w.e.f. 6-12-76 F.N.

Shri Majithia is posted in C.A. Unit, C.O., C.P.W.D.

No. 33/3/75-Ecix.—Engineer-in-Chief is pleased to appoint Shri A. W. Paunikar a nomine of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group A) in the C.P.W.D. on the pay Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (plus usual allowances) with effect from 1-12-1976 F.N. on the usual terms and conditions.

2. Shri Paunikar is placed on probation for period of two years w.e.f. 1-12-76.

S. S. P. RAU  
Deputy Director Administration  
for Engineer in Chief

#### MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 13th December 1976

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A.C. Overhead Traction Wires will be energised on 25 Kv on or after 15-12-1976 in the Section Sahibabad (Excl.) to Delhi Junction (Incl.) (from Structure No. 11/29 and 22 to Structure No. 0/2188-3188 and also section Delhi Junction (Excl.) to New Delhi (Excl.) (from Structure No. 0/2188-3188 to Structure No. 1539/8 and 11). On and from the same date, the overhead traction line shall be treated as live at all times, and no un-authorised persons shall approach or work in the proximity of it.

B. MOHANTY,  
Secy., Railway Board

#### SOUTH EASTERN RAILWAY GENERAL MANAGER'S OFFICE

Calcutta-43, the 16th December 1976

No. P/G/14/300E.—Shri M. S. Rao, Offg. Class-II Officer of the Personnel Branch is confirmed in that appointment with effect from 8th May, 1976, and allotted to the T(T) & C Department.

M. MENEZES  
General Manager

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act 1 of 1956 and in the matter of Steelcrete Foundation Limited*

Calcutta, the 17th December 1976

No. L/26282/H-D/1791.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act I of 1956 that an order for winding up of the above-named Company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 1-10-75 and the Official Liquidator/Court Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

N. N. MAULIK,  
Asstt. Registrar of Companies  
West Bengal, Calcutta.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Anil Private Limited*

Bombay, the 17th December 1976

No. 3911/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Anil Private Limited has been ordered to be wound up by an order dated 4-3-1976 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Hague Theatres Limited.*

Bombay, the 18th December 1976

No. 1554/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of M/s. Hague Theatres Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Hargaon Sugar Mills Ltd.*

Bombay, the 18th December 1976

No. 16455/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Hargaon Sugar Mills Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

P. T. GAJWANI  
Addl. Registrar of Companies  
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of the Companies Act, 1956  
AND*

*In the matter of Twin Cities Finance and Chit Funds Private Limited.*

[Pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956]

Hyderabad, the 18th December 1976

No. 1593/Liq.—By an order dated the Twenty-second day of August, One thousand nine hundred and Seventy five, in

Company Petition No. 3 of 1975 of the High Court of Judicature, Andhra Pradesh, at Hyderabad it has been ordered to wind up 'Twin Cities Finance and Chit Funds Private Limited'.

O. P. JAIN  
Registrar of Companies  
Andhra Pradesh

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Garuda Theatre Club Limited.*

Jaipur, the 18th December 1976

No. Stat/1323/14508.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Garuda Theatre Club Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

R. D. KUREEL  
Registrar of Companies  
Rajasthan, Jaipur.

#### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 9th December 1976

##### INCOME-TAX ESTABLISHMENT

No. 211.—Shri Y. Singh has taken over charge as IAC, Bareilly on the A.N. on 30-9-1976 vice Dr. H. K. Narain retired from Government service.

No. 212.—Shri G. K. Jalota has taken over charge as ITO A-Ward, Bareilly on the F.N. on 1-11-1976 vice Shri K. C. Gupta, retired from Government service.

No. 213.—Shri Qaiser Shamim has taken over charge as ITO, A-Ward, Salary Circle, Lucknow on the F.N. of 1-11-1976 vice Shri H. P. Agarwal, retired from Government service.

S. K. LALL  
Commissioner of Income-tax  
Lucknow

## FORM ITNS

(1) Shri Om Parkash s/o Shri Bhola Ram, r/o 4/37 W.  
E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAFA ALI  
ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 22nd December 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1229/76-77.—Whereas, I,  
M. S. Goela,  
F-28 situated at Bali Nagar, New Delhi,  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
F-28 situated at Bali Nagar, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on June, 1976,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the  
fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the considera-  
tion for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

(2) Shri Om Parkash Gupta s/o Shri Dewan Chand  
Gupta r/o 26/8 Ramesh Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a  
period of 30 days from the service of notice on  
the respective persons, whichever period expires  
latter;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA, of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

A single storied house constructed on a plot of land mea-  
suring 200 sq. yds. bearing No. F/28 situated in Bali Nagar,  
New Delhi and bounded as under :—

North : Road  
South : Service Lane  
East : Property built on Plot No. F-29  
West : Property built on Plot No. F-27.

M. S. GOELA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-12-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAFA LI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 22nd December 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1228/76-77.—Whereas, I, M. S. Goela, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5118, 5119, 5120 & part of 5121 situated at Harphool Singh Building, Near Clock Tower, Subzi Mandi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in June, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ch. Nidhan Singh s/o Ch. Hari Ram for self and natural guardian of his son, Sanjay Singh and attorney of Smt. Bhagwati r/o 4495, Phari Dhiraj Delhi-6.

(Transferor)

(2) Shri Keemti Lal Kalra s/o Shri Barkat Ram Kalra r/o 5121/12, Harphool Singh Building, Clock Tower, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

(3) S/Shri Har Krishan Singh 2. Hazari Lal 3. Sita Ram Tota Ram 4. Godha Ram Shyam Lal 5. Prabu Dayal, 6, Keemti Lal.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storied building constructed on a land measuring 140 sq. yds bearing No. 5118, 5119, 5120 and part of 5121 at Harphool Singh Building, Near Clock Tower, Subzi Mandi, Delhi.

M. S. GOELA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 22-12-1976

Seal :

(1) Shri K. Ramachandran No.-40 Muthial Naicken  
St., Purasawakkam, Madras-7.  
(Transferor)

(2) Mrs. Shanthi Devi and Mr. Buthraj Jain No. 21  
Tana Street Madras-7.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 13th December 1976

Ref. No. F. 5146/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40, situated at Muthial Naicken Street, Madras-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawakkam, Madras (Doc. No. 497/76) on 5-4-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 grounds & 559 Sft. (with building) bearing New Door No. 40 Muthial Naicken Street, Purasawakkam, Vepery, Madras (Old Survey No. 938, A.F.C. No. 2454 dated 2-1-1909; Patta No. 120 of 1960-61, O.S. No. 938, R.S. No. 533).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 13-12-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Shri M. S. Ramachandran No. 19/C Oliver Road, Madras-4.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri K. Ramachandran;  
2. Smt. R. Seemanthini;  
3. Shri R. Jayakumar;  
4. R. Udaya Kumar;  
5. R. Raja Kumar  
No. 40 Muthial Naick St., Madras-7.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-6

Madras-6, the 17th December 1976

Ref. No. 5148/76-77.—Whereas, I, S. Rajaratnam,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 42, II Main Road, situated at Gandhinagar, Adyar, Madras-600 020,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at JSR I, Madras (Doc. No. 1859) on 5-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 3 grounds &amp; 1583 sq. ft. (with building) situated at Door No. 42, II Main Road, Gandhi Nagar, Madras. (Survey No. 9 T.S. No. 4, Block No. 30, Kottur village).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-12-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. T. Kurupanandam;  
 Shri K. T. Vadivarasan;  
 Shri K. T. Ravivendan;  
 Shri K. T. Dayalan  
 No. 19 Pillayar Koil Street,  
 Gudiyatham, N.A. Dist.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

(2) 1. Shri K. Ramchand;  
 2. Shri K. Lakraj;  
 3. Shri K. Thalram;  
 4. Shri K. Radhakrishnan;  
 5. Shri K. Dowalram;  
 6. Shri K. Narayan Das  
 No. 22 Dr. Natesan Road, Madras-5.

(Transferee)

Madras-6, the 13th December 1976

Ref. No. 5149/76-77.—Whereas, I,  
**S. RAJARATNAM**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that  
 the immovable property, having a fair market value  
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. 22, Prakasa Mudali Street, situated at Madras-17,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of Registering Officer at  
 T. Nagar, Madras (Doc. No. 430/76) on April 1976  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property, and I have reason  
 to believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
 any moneys or other assets which have not  
 been or which ought to be disclosed by the  
 transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
 Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-  
 tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons namely :—  
 11—406GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
 of 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of  
 30 days from the service of notice on the  
 respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the publi-  
 cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 4 grounds & 2056 Sft. (with building)  
 situated at No. 22, Prakasa Mudali St., T. Nagar, Madras-17  
 (T.S. No. 4029/3).

**S. RAJARATNAM,**  
**Competent Authority,**  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 13-12-76

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri M. S. K. Swamy  
1/8 Gajapathy Lala Lane,  
Triplicane, Madras-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri A. S. Rao,  
168, J. J. Khan Road,  
Royapettah, Madras-14.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 15th December 1976

Ref. No. F. 5150/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, Ramaswami Maistry Street, situated at Madras-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 205/76) on April 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 1236 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 8, Ramaswamy Maistry Street, Woods Road, Madras-2 (Old Door No. 7) (R.S. No. 296/4 Part).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-12-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Shri B. Prabhakar Shetty No. 8 Waddels Road, Kilpauk Madras-10.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jayaben Jiwandas W/o Shri Jiwandas No. 121 Anna Pillai Street, Madras-1.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 13th December 1976

Ref. No. 5151/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, Waddels Road, situated at Kilpauk, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawakkam (Doc. No. 521/76), on 8-4-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 grounds and 1800 Sft. (with building) situated at No. 8 Waddels Road, Kilpauk Madras-10 (C.C. No. 5751; O.S. No. 4).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 13-12-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 13th December 1976

Ref. No. F. 5192/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. A, situated at No. 50 Sir Thyagaraya Road, T. Nagar, Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saidapet (Madras) (Doc. No. 269/76) on 9-4-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Mrs. Balam Janakiram, No. S. 49 First Avenue, Madras-20; 2. Mrs. Lakshmi Rauschenbach, No. 24, Chemin Des Clochettes, 1206 Geneva, Switzerland (Represented by her mother General Power of Attorney Agent Mrs. Balam Janakiram). 3. Mrs. Kalyani Iswaran, No. 224, 4th Avenue, Indira Nagar, Madras-20; 4. Shri K. J. Seetharaman, No. S. 49, 1st Avenue, Madras-20; 5. K. J. Ramaswami, No. S. 33, 1st Avenue, Madras-20; 6. Shri Deepak Ramaswami, (Represented by father and guardian Shri K. J. Ramaswami) No. S. 33, 1st Avenue, Madras-20.

(Transferor)

(2) Shri G. Muralidhar S/o Shri Ramalingaiah No. 54 Acharappan Street, G.T. Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 2 grounds & 300 Sq. ft. situated at Door No. 50, Sir Thyagaraya Road, T. Nagar, Madras-17, block No. 14, Plot No. 33, T. Nagar, Madras-17 bearing R.S. Nos. 16/1, 121/1 and 122/1 (Parts) (Plot 'A'—T.S. No. 6546 and 9327).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 13-12-76.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri P. B. Ramamurthy No. 43/1 Spur Tank Road, Madras-31.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 17th December 1976

Ref. No. F. 5193/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29, situated at Wallajah Road, Madras-2 (R.S. No. 3139/2, O.S. No. 1108), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 240) on 29-4-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri R. Narayana Moorthy No. 2/D, Rotlers Street, Vepery, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House, ground and premises situated at No. 29, Wallajah Road, Mount Road, Madras-2 (Extent about 1225 sq. ft and bearing R.S. No. 3039/2, O.S. No. 1108).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-12-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri P. B. Ramamurthy No. 43/1 Spur Tank Road, Madras-31.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Narayana Murthy No. 2/3 Rotlers Street, Veppery, Madras-7.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 17th December 1976

Ref. No. F. 5193/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28, situated at Wallajah Road, Mount Road, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 241/76) on 29-4-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

## THE SCHEDULE

House, ground and premises bearing No. 28, Wallajah Road, Mount Road, Madras-2 (1715 Sq. ft) (R.S. No. 3039/2; O.S. No. 1108).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-12-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1. Shri R. Rajeeswaran 2. Shri R. Jayakumar 3. Shri R. Sivakumar No. 11, Nagappier St., Triplicane, Madras-5.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. R. M. Howla Beevi W/o Shri N. M. Abdul Kareem 6/77 Sowkath Ali St., Porthakudi, Thanjavur Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 13th December 1976

Ref. No. F. 5209/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, Nagappier Street, situated at Triplicane, Madras-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Madras (North) on 17-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 1262 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 1, Nagappier Street, Triplicane, Madras (New R.S. No. 601/4).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 13-12-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) S. Shri J. H. Tarapore 15/7 Harrington Road, Chetpet, Madras-31.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 7th December 1976

Ref. No. 5211/76-77.—Whereas, I, S.

RAJARATNAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 24, situated at Thatchi Arunachala Mudali St., Mylapore, Madras-4,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
JSR I Madras North (Doc. No. 2094/76), on

April 1976,  
for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri A. K. Ranganathan No. 21 Vadugu Edayar St., Mylapore, Madras-4.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 1650 Sft. (with building) and bearing R. S. No. 2871/1 situated at Door No. 24, Thatchi Arunachala Mudali Street, Mylapore, Madras.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 7-12-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri J. H. Tarapore 15/7 Harrington Road, Chetpet,  
Madras-31.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Sriraman S/o Shri V. P. Sethuraman No.  
3/30 Ellai Amman Colony Madras-86.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 7th December 1976

Ref. No. F. 5211/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24, situated at Thatchi Arunachala Mudali St., Mylapore, Madras-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at JSR I Madras North (Doc. No. 2095/76) on April 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

12--406 GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 1550 Sq. ft. (with building) and bearing R.S. No. 2871/1 situated at Door No. 24, Thatchi Arunachala Mudali Street, Mylapore, Madras.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 7-12-76

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Mumtaz Ahamed, W/o Shri G. R. Ahamed, 38-A, 20th Avenue, K. K. Nagar, Madras-600 078.  
(Transferor)

(2) Smt. Lakshmi Ramabadrhan No. 16 Ramakrishna Street, Madras-600 017.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 7th December 1976

Ref. No. F. 5212/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9/2, situated at Vijayaraghavachary Road, T. Nagar, Madras-17 (Ground floor flat)  
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR, I, Madras North (Doc. No. 2104/76) on April 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground floor flat—1248 Sq. ft. together with half-share (undivided) in the land in extent 1 ground and 1650 Sq. ft. at 9/2 Vijayaraghavachary Road, T. Nagar, Madras 600 017 comprised in S. No. 38/2, T.S. No. 4887/2 and undivided half share in the 10 feet passage in extent 2060 Sq. ft. leading from Vijayaraghavachari Road.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-6

Date : 7-12-76  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri G. R. Ahamed S/o Shri T. S. Ghulam Khadir  
No. 38A, 20th Avenue, K. K. Nagar, Madras 600078.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lakshmi Ramabadrhan No. 16 Ramakrishna  
Street, Madras 600 017.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 7th December 1976

Ref. No. F. 5212/76-77.—Whereas, 1, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 9/2, situated at Vijayaraghavachari Road, Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at JSR 1 Madras North (Doc. No. 2105/76) on April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First floor flat 1248 Sq. ft. together with half share (undivided) in the land in extent 1 ground and 1650 Sq. ft. at 9/2 Vijayaraghavachari Road, Madras 600 017 comprised in S. No. 58/2 T. S. No. 4887/2 and undivided half share in the 10 feet passage in extent 2060 Sq. ft. leading from Vijayaraghavachari Road.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 7-12-76

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 13th December 1976

Ref. No. F. 5218/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 4, situated at Thirumalai Pillai Road, Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 482/76) on 27-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. T. S. Jayalakshmi W/o Shri K. R. Vijayaraghavan No. 65 Shankar Mutt Road, Bangalore-4 represented by her Power of Attorney Agent Shri K. R. Vijayaraghavan.

(2) Mrs. V. Hamsa, W/o Shri V. Anandakrishnan and V. Sumanth (Minor) represented by father Shri V. Anandakrishnan No. 21 Ramanujam St., Madras-17.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land admeasuring 2 grounds & 1540 Sq. ft. (with building) and bearing No. 4 Thirumalai Pillai Road, Madras-17 (R.S. No. 85 and T.S. No. 7154 New Block No. 117).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13-12-76

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Smt. P. A. Kuppammal alias Kasthuri; 2. Smt. Ramaniammal No. 92 Swami Naicken St., Chintadripet, Madras 600 002.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s K. M. Mohamed Abdul Khader Firm No. 40A, V. V. Koil St., Periamet, Madras 600 003.

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 13th December 1976

Ref. No. F. 5219/76-77.—Wheras, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. R.S. No. 76/1, situated at Nungambakkam village (2 grounds & 2250 Sft—vacant land) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc No. 514/76) on 30-4-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land forming part of Door No. 9, Anderson Road, Nungambakkam, Madras-6 R. S. No. 76/1 Extent : 2 grounds & 2250 Sft.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 13-12-76

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Shri M. Murugesa Naicker; 2. Shri M. Thirunavukkarasu; 3. Shri M. Anandan No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras.

(2) Shri D. Kothandam; Shri D. Pandu and Shri D. Mohan No. 92 Pillayar Noil St., Avadl, Madras.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th December 1976

Ref. No. F. 5220/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. S. No. 43/4 & 43/3, situated at No. 5, Greams Road, Madras-6,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 520/76 P. No. 89) on

May 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No. 43/4 & 43/3 at No. 5 Greams Road, Madras-6. 1/6th undivided share of vacant land with basement level.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 10-12-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri G. Sanjeevi Reddy No. 79 Paper Mills Road, Madras-11.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 13th December 1976

Ref. No. F. 5223/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 45/4-B, situated at South West Boag Road, T. Nagar, Madras-17  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 567/76) on 15-5-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. S. Jamuna Kumari, M.B.,B.S., W/o Thatineni Chalapathi Road, No. 14 Lakshmi Colony, T. Nagar, Madras-17.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 grounds and 984 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 45/4-B South West Boag Road, T. Nagar, Madras-17 (R.S. No. 151/2 (Part), T.S. No. 7425 (Part) Joint Patta No. 3100).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13.12.1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 17th December 1976

Ref. No. F. 2872/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 555/1; 562, 556, 555/2, situated at 563, 553 Somayampalayam village (5.05 acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR II Coimbatore (Doc. No. 789/76) on 5-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Mary Thomas, No. 282A, Avanashi Road, Coimbatore.  
2. Smt. Elizebeth Cherian, W/o Shri J. Cherian, Bombay Burmah Trading Corp. Ltd., Cochin,  
3. Smt. Sarojini Cherian, No. 99 Mettupalayam road, Coimbatore.  
4. Smt. Lalitha Mathew, No. 4/1 Hall Road, Richards Town, Bangalore-5.
- (2) M/s Hindustan Rubber Products St. Abbets College Road, Ernakulam.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

5.05 acres of land (with building) bearing Nos. 555/1; 562; 556; 555/2, 563 and 553 Somayampalayam village (Thadagam Main Road, Coimbatore).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 17-12-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri D. Dhandapani No. 309 Avanashi Road, Coimbatore-18.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1976

Ref. No. F. 2873/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 11/3 Malavia St., situated at Ramnagar, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 1162/76) on 5-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—406GI/76

## THE SCHEDULE

Land & building bearing Door No. 11/3 Malavia Street, Ramnagar, Coimbatore.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 14-12-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri N. Venkatesan & N. Devarajan No. 15/27 Krishnaswamy Mudaliar Road R.S. Puram, Coimbatore-641 002.

Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sree Venkateswara Timber Depot Krishnaswami Mudaliar Road R.S. Puram Coimbatore-2.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1976

Ref. No. F. 2874/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Site Nos. 4,5 and 13, situated at Narayanasamy Naidu Layout, Krishnaswamy Mudaliar Road, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 1197/76) on 7-4-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Site Nos. 4, 5 and 13 in G. Narayanasamy Naidu Layout, Krishnaswamy Mudaliar Road, Municipal Ward No. 15 and Survey Ward No. 8, Coimbatore, (New T.S. No. 1582/I-B).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 14-12-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri K. R. Ramaswami S/o Shri R. K. Ramakrishnan Chettiar Sundaram Layout, Trichy Road, Coimbatore-18.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 8th December 1976

Ref. No. F. No. 2875/76-77.—Whereas, I, S.

RAJARATNAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8/30C Race Course Road, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR Coimbatore (Doc. No. 1220/76) on 9-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri V. Rajamani Chettiar, S/o Shri Venkatarama Chettiar, No. 17/97 N.H. Road, Coimbatore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 13.57 cents (with building) situated at Door No. 8/30C Race Course Road, Coimbatore (New T.S. No. 1/1451).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 8-12-1976

Seal

## FORM ITNS

(1) M/s. V. P. Muthukumarasami Gounder & Co. by partner Smt. R. Annapoorni No. 261 Agrahara St., Erode Town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 17th December 1976

Ref. No. 2883/76-77.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 98 (Half share) situated at Door No. 148-A, Ward No. 2, Surampatti village, Erode Taluk (with machineries) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Erode (Doc. No. 1122) on 23-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. V. P. Muthukumarasami Gounder & Co. by partner Smt. R. Annapoorni No. 261 Agrahara St., Erode Town.

(Transferor)

(2) Smt. Kolandaiammal W/o Shri A. P. Chinnasami Agrahara St., Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half share in the property bearing Door No. 148-A, Ward No. 2 and S. No. 98, Soorampatti village Erode Taluk (with machineries).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 17-12-76

Seal :

## FORM ITNS

(1) Messrs. K. P. Arumuga Gounder & Co. by partner  
Shri K. P. Arumugam No. 261 Agrahara St., Erode.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. Komarasami and Shri C. Krishnamurthy  
Agrahara Street, Erode.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 17th December 1976

Ref. No. F. 2886/76-77.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 98 & Door No. 148A, situated at Ward No. 2 Surampatty village, Erode Taluk (Half share)—with machineries (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at JSR I Fodle (Doc. No. 1244) on 5-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Half share in the property bearing Door No. 148-A, Ward No. 2 and S. No. 98 Soorampatty village, Erode Taluk (with machineries).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 17-12-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. R. Ramaswamy & Vasudevan No. 35-A  
Sundaram Bros. Layout Trichy Road, Coimbatore-18.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. L. Sarojini No. 346 Big Bazaar St., Coimbatore  
641 001.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 8th December 1976

Ref. No. F. 2894/76-77.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/30 Race Course road, situated at Coimbatore-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1572/76) on 3-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 37 cents (with building) situated at No. 8/30 Race Course Road, Coimbatore-18. (T.S. No. 1/1451).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Dated : 8-12-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Girija Balaguruviah W/o Shri B. B. Balaguruvaya, No. 78-B, Sullivans Garden Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 17th December 1976

Ref. No. F. 4006/76-77.—Whereas, J. S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32 & 33, situated at Gandhi Nagar, Erode, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Erode (Doc. No. 1047/76) on 15-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri V. N. Ramanujam Shri N. Srinivas; Shri N. Somasundaram; and Smt. Sarguna Bai, W/o Shri V. N. Ramanujam No. 24 Vanniappillaiar Koil St., Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & building bearing Door Nos. 32 & 33 Gandhinagar, Erode (Revenue Ward III, Municipal Ward No. 13, T.S. 897/1 Site Nos. 6 and 7 Part).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 17-12-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. V. P. Valliammal W/o Shri V. Palaniappa Chettiar, No. 151 Perundurai Road, Erode.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. Pankajam W/o Shri M. Vadivel No. 33 Kamaraj St., Erode.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 17th December 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. F. 4048/76-77.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34 (T.S. No. 500/- 1A), situated at Ramasami Gounder St., Ward No. 17, Erode, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR I Erode (Doc. No. 1170/76) on 28-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land & building bearing Door No. 34—T.S. No. 500/1A1 Ramasami Gounder Street, Ward No. 17, Erode (Document No. 1170/76).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 17-12-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 8th December 1976

Ref. No. 3579/76-77.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dhanalakshmi Paper & Board Mill, L. N. Samudram Village, Mela Karur, Trichy Dist., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at West Marur (Doc. No. 1069/76) on 30-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—406 GI/76

(1) 1. Shri S. Govindaraj; 2. Shri S. Sivaraj; 3. Shri S. Mayilasanapathy; 4. Shri S. Srinivasan (Minor) represented by Smt. Lakshmiammal; 5. Shri S. Rajeswaran and 6. Shri S. Kesavaraj (Minor) represented by Smt. Manickammal Door No. 6, II St., Ramnagar, Tirupur.

(Transferees)

(2) 1. Shri M. Balusami; 2. Shri B. Anandhan; 3. Shri Mohan (Minor) represented by Smt. Saraswathy Balu; 4. Shri T. M. Arthanari Mudaliar 5. Shri M. Natarajan 6. Shri M. Loganathan Sornamika Street, Salem Town.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property known as "Dhanalakshmi Paper and Board Mill" located at Coimbatore Trichy Road in L. N. Samudram Village, Mela Karur, Trichy Dist. (Door Nos. 10 & 11, Ward No. 1, Lakshminarayanasamudram Panchayat).

S. RAJARATNAM,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 8-12-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 8th December 1976

Ref. No. F. 3579/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10 & 11, Ward No. 1, situated at Lakshminarayana Samudram Panchayat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at West Karur (Doc. No. 1068/76) on 30-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. S. Lakshmi ammal; 2. Indiranji; (Minors) represented by Smt. S. Lakshmi ammal; 3. Sobana-devi; (Minors) represented by Smt. S. Lakshmi ammal. 4. Smt. M. Sarojini; 5. Smt. S. Manickamal 6. Pushpavalli; 7. S. Padmavathi; 8. S. Thilakavathy (Minor) represented by Smt. Manickamal Door No. 6, II Street, Ramnagar, Tirupur.

(Transferor)

(2) 1. Shri T. M. Arthanari Mudaliar; 2. Shri M. Balusami; 3. Shri B. Anandan; 4. Shri B. Mohan (Minor) represented by Smt. Saraswathy Balu; 5. Shri M. Natarajan; 6. Shri M. Loganathan; Sornambika St., Salem Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 54 1/8 cents and bearing Door No. 10 & 11, Ward No. 1, Lakshminarayana Samudram Panchayat (S. No. 162 and S. No. 163).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 8-12-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Rama Vilas Service Ltd. No. 201 Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

(2) 1. Shri V. V. C. Muniayappa Chettiar; 2. Shri C. M. Ramachandran; 3. Shri M. Jaganathan; 4. Shri C. M. Meenakshisundaram No. 41 Lakshminarayana-pura Agraaharam, Madurai. 5. M/s. Leader Rubber India, T.S. No. 5921/1B Tirumayam Road, Pudukkottai.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 8th December 1976

Ref. No. 3582/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New T.S. No. 5921/1(B), situated at Thirumayam Road, Pudukkottai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukkottai (Doc. No. 419/76), on 5-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 87, 120 Sq. ft. (with building) and bearing Old Survey No. 323/2B/1(b)/2(a)/1(b)/1—New T.S. No. 5921/1(B) Thirumayam Road, Pudukkottai.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated : 8-12-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Shri R. Natarajan; 2. Shri R. Ravichandran; No. 17 Venkitaswamy Road, R.S. Puram, Coimbatore-2.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 8th December 1976

Ref. No. F. 3584/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.F. 217 & 218/1-B, situated at Chettipalayam village, Coimbatore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kinathukadavu (Doc. No. 334/76) on 23-4-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri V. K. Bhaskaran Nair, & Smt. T. Ka-malam Nair, No. 18A Bashyakarlu Road, R.S. Puram, Coimbatore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

In Chettipalayam village, Coimbatore Taluk : 1. 15.78 acres of land bearing S.F. No. 217; 2. 16-22 acres of land bearing S. F. No. 218/1-B; 3. Three Agricultural Farm Sheds. 4. One R. C. Terraced with mosaic Farm House; & 5. Seven Poultry Sheds.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 8-12-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Smt. P. Sundarambal W/o Shri E. R. Palanisami  
Gounder K. N. P. Puram, Tirupur.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kumaran Fried Gram Mills represented by Shri S. Palanisami No. 37A(4) Perumanallur Road, Tirupur.  
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 8th December 1976

Ref. No. F. N. 3585/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12 (Part), situated at Vittaldas Sait St., Ward No. 23, Tirupur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirupur (Doc. No. 423/76), on April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 2951 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 12 Vittaldas Sait Street, Ward No. 23, Tirupur Town (T.S. No. 321).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 8-12-76.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. P. Sundarambal W/o Shri E. R. Palanisami  
Gounder K. N. P. Puram, Tirupur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kumaran Fried Gram Mills represented by Shri S. Palanisami, No. 37A(4) Perumanallur Road, Tirupur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 8th December 1976

Ref. No. F. No. 3585/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 12 (Part), situated at Vittaldas Sait St., Ward No. 23, Tirupur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Officer at Tirupur (Doc. No. 483/76) on 27-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 5348 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 12 Vittaldas Sait Street, Ward No. 23, Tirupur Town (T.S. No. 322 & 323/5/5).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Dated : 8-12-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri V. S. Munusami Mudaliar Adopted son of Shri Shanmugavelayutha Mudaliar, Vallampadugai, Chidambaram Tk.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri V. M. S. Chandrakasa Padayandavar So Shri Subboroya Padayandavar Vadakku Mangudi, Chidambaram Taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F. 3686/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 215/1, 216/2, 90/5, 215/2 & 216/1 Vallampadugai, Chidambaram Tk. (10.52 acres of lands) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chidambaram (Doc. No. 429/76) on 14-4-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

10.52 acres of land bearing S. No. 215/1 (6.24 acres) S. No. 216/2 (2.72 acres); S. No. 90/5 (1.07 acres); S. No. 215/2 (0.05 acres) and S. No. 216/1 (0.44 acres) & 3 houses bearing Door Nos. 4-11; 4-11A; & 4-11B situated at Vallampadugai, Chidambaram Taluk.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-12-76

Seal ;

## FORM ITNS

(1) Shri P. P. Mohamed Ibrahim North St., Kilianoor Mayuram Taluk.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Sababen Bivi, W/o Shri K. Y. Mohamed Zackria Sekkadi St., Elenthangudi Mayuram Taluk.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 14th December 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

Ref. No. 3591/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35, situated at Araya Street, Mayuram Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Mayuram (Doc. No. 269/76) on 24-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land & building bearing Door No. 35, Pattamangalam Araya Street, Mayuram Town (T.S. No. 563, Block No. 12).

(b) facilitates the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-12-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. M/s. T. S. Sundara Oduvar,  
No. 9, Kandappa Mudali Lane,  
Tiruchengode.  
2. T. L. Thillai Nayagam,  
3. Rathinam,  
4. Shanmugasundara Oduvar,  
5. Balasubramaniam,  
Sankari.  
6. Muruganathan,  
Rasipuram.

(Transferor)

(2) Dr. M. Ranganathan,  
S/o. Mariappa Mudaliar,  
No. 9, A. K. E. Street,  
Tiruchengode.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 21st December 1976

Ref. No. 31/MAY/1976-77.—Whereas, I. G. RAMANA-

THAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 105, 106 & 106A, situated at Gurukkal Street, Tiruchengode, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengode (Doc. No. 779/76) on 3-5-1976,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided half share in land measuring 5,270 sq. ft. with buildings thereon at door Nos. 105, 106 and 106A, Gurukkal Street, Tiruchengode.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—406GI/76

Date : 21-12-1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri K. Ramasamy Gounder,  
S/o Kandasamy Gounder,  
Onpathampali Kattu Valavu,  
Dadagapatti village, Salem.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Padmavathi Ammal.  
W/o Shri S. Kallimuthu,  
Mariamman Koil Street,  
Dadagapatti, Salem-6.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 21st December 1976

Ref. No. 31/MAY/1976-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 163/1, situated at Dadagapatti village, Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 1351/76) on 6-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 1.99 acres in R.S. No. 163/1 (with well, coconut, palm and other trees), Dadagapatti village, Salem.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-12-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri S. G. Jayasingh Raja,  
S/o Samidas Gnanayudha Nadar,  
No. 104, 3rd Street, Doovipuram,  
Tuticorin.

(Transferor)

(2) Shri P. L. Murugappan Chettiar,  
No. 1, Kanagaraya Muddu Theru,  
Tirunelveli.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 21st December 1976

Ref. No. 52/MAY/1976-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Semmarikkulam village,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Tuticorin (Doc. No. 371/76) on May 1976,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this  
Notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

|   |   |    |
|---|---|----|
| Agricultural lands measuring 7—20 acres in Semmarikkulam<br>village, Tiruchendur taluk bearing the following numbers: |   |    |
| Survey No. 674  | 0 | 41 |
| Survey No. 675  | 0 | 76 |
| Survey No. 676  | 0 | 08 |
| Survey No. 677  | 0 | 21 |
| Survey No. 678  | 0 | 11 |
| Survey No. 669  | 0 | 24 |
| Survey No. 689/1  | 0 | 86 |
| Survey No. 815  | 0 | 91 |
| Survey No. 440/1  | 2 | 29 |
| Survey No. 440/3  | 0 | 43 |
| Survey No. 437  | 0 | 90 |
| Total   | 7 | 20 |

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 21-12-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 21st December 1976

Ref. No. 63/MAY/1976-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, situated at Harington Road, Chetput, Madras-31, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras (Doc. No. 2598) on 21-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri J. H. Tarapore,  
15/7, Harington Road,  
Chetput, Madras-31.

(Transferor)

(2) Shri K. Ramesan,  
S/o late K. Sathyanaianamurthy,  
89-B, Venkatachala Mudali Street,  
Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 grounds and 270 sq. ft. at plot 'L', door No. 15 (R.S. No. 324), Harington Road, Chetput, Madras-31.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 21-12-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Krishna Nandlal Mahajan, Managing Partner of firm Champalal Hiralal & Co. Barwaha.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 16th December 1976

Ref. No. IACIACQ/BPL/76-77/767.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building with land measuring 100' x 138' i.e. 13800 sq. ft. situated near Jai Stambha between Indore-Khandwa Road, Barwaha, situated at Barwaha,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barwaha on 6-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) M/s. Tulsidas Ramnath Khandelwal & Sons, Near Jai Stambha, Barwaha.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

## THE SCHEDULE

Building with land measuring 100' x 138' i.e. 13,800 sq. ft. situated near Jai Stambha Between Indore-Khandwa Road, Barwaha.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 16th December, 1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jaswant Singh, 2. Shri Kishore Singh, 3. Shri Vijay Singh, 4. Smt. Roop Kunwar Bai Ali R/o Kasba, Barwaha.

(Transferor)

(2) Shri Bhurclal S/o Shri Keshvji Jai R/o Near Jai Ambe Transport Service, Barwaha.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th December, 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/768.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 2,809 hectares situated near Raj Talkies, Barwaha situated at Barwaha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barwaha on 29-5-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land 2.809 Hectares situated near Raj Takies, Barwaha.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16th December, 1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Bilquis Abdul Kakim Khan Wd/o Late Justice Abdul Hakim Khan R/o Gul Mohar, Morar, Gwalior-6.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Roman Catholic Diocese of Jhansi Through Father Roger Attorney for the Roman Catholic Dioceses of Jansl.  
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th December, 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/773.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land & Building Part of Gulmohar Bungalow bearing Municipal No. 1/452, Ward No. 8, situated near Govt. Maternity House, Morar, situated at Morar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 25-5-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Building Part of Gul Mohar Bungalow bearing Municipal No. 1/452, Ward No. 8. Situated near Govt. Maternity House, Morar.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 16th December, 1976.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 16th December, 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/770.—Whereas, I. V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land of Plot No. 37-A Sindhi Colony, Berasia Road, Bhopal, situated at Bhopal,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 13-5-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sindhu Co-operative Housing Society Ltd., Berasia Road, Bhopal Through Shri Gopi Chand Nemaldas Tanwani R/o New Sindhi Colony, Bhopal.  
(Transferor)

(2) Shri Vasudeo R. Mendiratta S/o Shri Ramdas R/o 14, Sindhi Colony, Berasia Road, Bhopal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of Plot No. 37-A, Sindhi Colony, Berasia Rd., Bhopal.

V. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 16th December, 1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Gendalalji G. Modi Undivided Hindu Family Through its Karta Shri Mahendra Kumar Modi S/o Shri Gendalalji Modi, R/o 24, M. G. Road, Indore.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Mahendra & Co., Through its Partner Smt. Sajjan Kumari Modi W/o Gendalalji Modi, R/o 24, M. G. Road, Indore.  
(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 16th December 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/771.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at 24, M. G. Road, Indore, situated at Indore, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-6-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

16—406 GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at 24, M. G. Road, Indore.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 16th December, 1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mahesh Chandra Gupta S/o Shri Babulalji Gupta, R/o 122, Jaora Compound, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Green Park Housing Co-operative Society, 357,  
Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 16th December 1976

Refl No. IAC/ACQ/BPL/76-77/772.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Land bearing Survey No. 253/1, 253/2, 254, 256, 257 and 258 situated at Village-Tejpur Gadabadi Teh & Distt-Indore, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Channapatna, Document No. 4081/75-76 on 21-3-1976 for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 253/1, 253/2, 254, 256, 257 and 258 situated at Village-Tejpur Gadabadi Teh & Distt-Indore.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 16th December, 1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Vimla Devi W/o Shri Suresh Chandra Gupta, R/o 122, Jaora Compound, Indore.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Green Park Housing Co-operative Society, 357, Jwahar Marg, Indore.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 16th December 1976

Ref. No. IACIACQ/BPL/76-77/774.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land & Building over Plot bearing Survey No. 8/4, 9 and 10 measuring 1.90 acres at Village-Tejpur Gadbadhi Tah & Distt-Indore, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7-6-1976.

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Building over Plot bearing Survey No. 8/4, 9 / 10 measuring 1.90 acres at Village-Tejpur Gadbadhi Tah / Distt-Indore.

V. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 16th December, 1976.

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Shri Ramesh Chand Gupta S/o Shri Babulalji Gupta,  
R/o 123, Jaora Compound, Indore.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

(2) Green Park Housing Co-operative Society, 357,  
Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/769.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Bearing Survey No. 259/1 & 260/1 measuring 5.84 acres situated at Village-Tejpur Gadbad, Teh & Distt-Indore, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 6-6-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land Bearing Survey No. 259/1 & 260/1 measuring 5.84 acres situated at Village-Tejpur Badbadi Teh & Distt-Indore.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16th December, 1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Champa Bai W/o Shri Babulalji Gupta, R/o 122, Jaora Compound, Indore.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th December, 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/775.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Bearing Survey No. 251/1, 252 & 269 measuring 10.24 acres situated at Village-Tejpur Gadbad, Tah & Distt-Indore, situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Green Park Housing Co-operative Society, 357, Jawahar Marg, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land Bearing Survey No. 251/1, 252 & 269 measuring 10.24 acres situated at Village-Tejpur Gadbad, Tah & Distt-Indore.

V. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act (43 of 1961) to the following persons namely:—

Date : 16th December, 1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) The Motor & General Finance Ltd., M.G.F. House No. 17-B, Asaf Ali Road, New Delhi-1, Through Joint Managing Director.

(Transferor)

(2) Tirupati Savings Pvt. Ltd., M.G. Road, Khandwa Through Director Shri D. P. Agrawal, (ii) Shri Nikunj Beharilal Agrawala, (iii) Shri Tarun Kumar Nagda.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/776.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property Bearing No. 389, Situated at Kunbi, Khandwa, West Nimar, situated at Khandwa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on 21-6-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; or

## THE SCHEDULE

Property Bearing No. 389, Situated at Kunbi, Khandwa, West Nimar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-(1) of section 269D of the said Act (43 of 1961) to the following persons namely:—

Date: 16th December, 1976.

Seal:

## FORM JTNS—

(1) 1. Shri Deenya Bahamanji Contractor, Seoni.  
 2. Shri Jaal Bahamanji, Paarsi R/o Rustam Bag, Byculla, Bombay. Through Power of Attorney Shri Aam Deenya.  
 3. Shri Naari Bahamanji.  
 4. Shri Darav Bahafanji Ali R/o Seoni.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 16th December, 1976

(2) Shri Vinod Kumar S/o Jamuna Prasad Agrawal R/o Nehru Road, Seoni, Distt-Seoni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House with open land House No. 57 (New), Old 167/5, Block No. 49, Plot No. 76/1, 76/4 situated at Seoni, Distt-Seoni.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16th December, 1976.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Shri Maganlal Kara,  
2. Prafulla Kumar Hinjee,  
3. Debendra Kumar Hinjee.

(Transferor)

(2) Shri Basudev Sahoo.  
(3) 1. Bichitra Kumar Nayak  
2. Lal Chand Agarwalla  
3. Sk. Zohur Bux  
4. Satyabadi Mohanty  
5. Suresh Chandra Barik  
6. Manmohan Mohanty  
7. Dinabandhu Mohanty  
8. Smt. Rukmani Devi  
9. Chatiram Agarwalla  
10. Balabhadra Saha  
11. Peeramal Agarwalla  
12. Smt. Laxmi Devi.  
All Tenants.

(Persons in occupation of the property).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 9, FOREST  
PARK, BHUBANESWAR-9.

Bhubaneswar-9, the 18th December 1976

Ref. No. 33/76-77/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2732, situated at Baripada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baripada on 5-7-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The land with building located at Baripada under the jurisdiction of Sub-Registrar, Baripada and registered by Sale document No. 4538 dated 5-7-76.

A. N. MISRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 18-12-76.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1. Dr. Anand Noronha,  
 2. Mr. Ashok Noronha,  
 3. Mr. Arun Charles Noronha,  
 4. Mr. Anil Noronha,  
 5. Mrs. Amrit P. M. D'Souza and  
 6. Miss Anita Alice Noronha, Planters, Mahamane  
 Estate, Balur Village, Mudigere Taluk, Chikmagalur  
 District.

(Transferors)

(2) Mr. J. L. Saidhana, S/o B. A. Saidhana, Planter  
 Heggudlu Estate, Mudigere Taluk, Chikmagalur  
 District.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 16th December 1976

No. 169/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nos. 309, 177, 131, 168, 311 & 253 situated at Balur Village of Chikmagalur, Distt,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mudigere under Document Number 16 on 12-4-1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Coffee Estate situated at Balur Village, Mudigere Taluk, Chikmagalur District under the following Survey Numbers :

S. No. 309 69 acres 29 gunthas—Coffee.  
 S. No. 177 1 acre 17 gunthas—Wet.  
 S. No. 131 2 acres 01 Gunthas—Coffee.  
 S. No. 168 5 acres 05 Gunthas—Cardamom.  
 S. No. 311 11 acres 08 Gunthas—Cardamom.  
 S. No. 253 7 acres — Gunthas—Coffee.

P. SATYANARAYANA RAO,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Dharwar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-12-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Amatul Rahim W/o Late Nawab Wahid Munawar Khan, "Muneerbagh", at H. No. 9-4-86 Tolichowki, Shaikpet, Village, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 20th December 1976

Ref. No. RAC. No. 207/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bloc. No. J in S. No. 141, 142, 143, at Shaikpet, Town Chowki Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) The Ideal Cooperative Housing Society, Ltd., H. No. 3-5-805/2/B at Hyderaguda, Hyderabad. Represented by Sri Joseph Raj, H. No. 10-3-305/A/2 Masab Tank, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that land admeasuring One Acre 34 Guntas and 23 Sq. Yds. in Block J of S. No. 141, 142 and 143 situated at Shaikpet Village, Tolichowki, Hyderabad, registered as document No. 954/76 with the Sub-Registrar office Khairtabad, Hyderabad on 21-6-76 as bounded on the :

South : Road land park.  
North : Open land and Road.  
East : Block E.  
West : Military Road.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 20-12-1976.

Seal :